www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –187 I भोपाल, मंगलवार, 8 जुलाई 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बारिश के कहर से बह गई सड़कें, जबलपुर-मंडला मार्ग बंद — पृष्ठ 2

नोटबंदी से वोटबंदी तक
विनाश को विस्तार देते युद्ध! — पृष्ठ 4

कॉलोनाइजरों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे यहां के निवासी — पृष्ठ 5

मध्यप्रदेश की गतिशीलता-शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं निवेशक — पृष्ठ 8

रिहायशी इलाकों में भी...

नाक तक पहुंची बाढ़

मध्यप्रदेश, हिमाचल, गुजरात-महाराष्ट्र सहित उत्तर भारत में पानी ही पानी

नई दिल्ली,भोपाल,जबलपुर देशबन्धु। जुलाई के शुरूआत से ही बारिश उत्तर भारत में अपने तीखे तेवर दिखा रही है। कहीं चार घंटे में 5 इंच तो कहीं बादल फट पड़ते हैं और ऐसी मूसलधार लगती है कि देखते ही देखते रिहायशी इलाकों में नाक तक पानी चढ़ जाता है। लोग अपनी जान और सामान बचाने की जद्दोजहद में लग जाते हैं। हिमाचल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड सहित कई राज्यों में बड़ी संख्या में लोग बाढ़ से निपट रहे हैं। केन्द्रीय तथा प्रदेशों के राहत दल और सुरक्षा एजेंसियां बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

तेज बारिश से पुल पर बनी सड़क क्षतिग्रस्त

दमोह, एजेंसी। दमोह जिले में हो रही लगातार बारिश से जन जीवन प्रभावित हो रहा है। जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक में कुछ स्थानों पर पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेंदूखेड़ा ब्लाक के लिए जीवनदानी कहलाने बाली गौरैया नदी सोमवार को पूरे उफान पर रही। लगातार हो रही बारिश से झलोन और सर्रा के बीच बिसनाखेड़ी गांव के समीप से निकली गौरैया नदी के पुल पर बनी सड़क बह गई। बताया गया पूर्व में इस पुल की एक परत बह गई थी जिसके बाद पिछले वर्ष ही उसमें सुधार हुआ था। निबोरा निवासी राहुल यादव ने बताया वहाब तेज होने के कारण पूल का कुछ भाग बह गया है। अब चार पहिया वाहनों का आवागमन होना मुश्किल है।

अनूपपुर में कार बही, पति-पत्नी और बच्चों की मौत

अनूपपुर में रविवार रात अमरकंटक रोड पर सजहा नाले में तेज बहाव के दौरान एक कार बहने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में एसईसीएल सोहागपुर के फोरमैन चंद्रशेखर यादव (38), उनकी पत्नी प्रीति यादव (37), पुत्र रेयांश (8) और पुत्री सीबी (2) शामिल हैं। हादसा तब हुआ जब पुलिया पर पानी होने के बावजूद चंद्रशेखर ने कार आगे बढ़ाई, जिससे वह बह गई। *(संबंधित अन्य समाचार पृष्ठ 2 पर)*

बिहार में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

महिला को डायन बता कर जिंदा जलाया

- 16 साल का बेटा घटना का चश्मदीद गवाह
- पूर्णिया जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र की घटना

पटना, देशबन्धु। बिहार में हत्या की बड़ी वारदात सामने आई है। प्रदेश के पूर्णिया जिले में एक महिला के डायन होने के शक में उसे और उसके परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पांचों रविवार रात से ही रहस्यसमी ढंग से लापता थे। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के राजीगंज पंचायत के टेटगामा वार्ड संख्या 10 का है। इसी गांव में रहने वाले बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य लोगों को जिंदा जला दिया गया

मृतक बाबू लाल उरांव का 16 साल का बेटा खुद घटना का चश्मदीद गवाह है। वारदात के बाद से घर के आस-पास रहने वाले सभी लोग अपने घर से फरार हैं। पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है। घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को बाबू लाल उरांव की पत्नी पर डायन होने का शक था। इसी के बाद पड़ोसियों ने रविवार देर रात बाबू लाल उरांव, उसकी पत्नी और तीन अन्य को जिंदा जला कर मार डाला। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर दी है, हालांकि इस पर अभी कुछ भी कहने से बच रही है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आस-पास के तीन थाने की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है।

पुलिस 3 लोगों से पूछताछ कर रही

घटनाक्रम के वक्त बाबू लाल उरांव का बेटा किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा और नानी के घर पहुंचा, उसने आंखों देखी नानी को सुनाया, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। चश्मदीद बच्चे को लेकर एसपी स्वीटी सहरावत घटनास्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष उत्तम कुमार इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रहे हैं। मृतकों की पहचान 70 वर्षीया मौसमात कातो देवी, 50वर्षीय बाबूलाल उरांव, 40 वर्षीय सीता देवी, 25 वर्षीय मनजीत कुमार और 20 वर्षीय रानी देवी के रूप में हुई है।

सार-समाचार

राहुल वीडियो मामले में दिल्ली में भी प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सैनेटरी पैड वीडियो से जुड़े विवाद को लेकर यहां एक शिकायत दर्ज की गई है जिसे मिलाकर देशभर में इस मुद्दे में अब तक तीन शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। युवा कांग्रेस के अनुसार यह शिकायत संगठन के अध्यक्ष उदय भानु चिब, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु, लीगल सेल के चेयरमैन रूपेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में यहां मंदिर मार्ग पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। युवा कांग्रेस लीगल सेल दिल्ली के अध्यक्ष विवेक पुनिया द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से एक समानांतर शिकायत भी प्रस्तुत की गई है।

छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था चरमराई : भूपेश बघेल

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है और राजधानी रायपुर में भी लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। उन्होंने दावा किया कि डेढ़ साल में भाजपा कार्यकर्ता भी असमंजस में हैं कि सरकार किसके नियंत्रण में चल रही है। प्रदेश में स्थिति किसी भी तरह से ठीक नहीं है। राज्य की जनता का भी सरकार से विश्वास उठ चुका है।

संजोग गुप्ता 'आईसीसी' के नए सीईओ नियुक्त

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को अपना सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। 'आईसीसी' ने नए सीईओ का ऐलान करते हुए कहा, आईसीसी संजोग गुप्ता का स्वागत करता है। वह क्रिकेट की वैश्विक यात्रा को एक परिवर्तनकारी भविष्य की ओर लेकर जाने की तैयारी कर रहे हैं। आईसीसी ने मार्च में वैश्विक भर्ती प्रक्रिया शुरू की थी। इस पद के लिए 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन आए थे। उम्मीदवारों में स्पोर्ट्स गवर्निंग बॉडी से जुड़े लीडर्स से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के सीनियर कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव शामिल थे।

अवैध रूप से रह रहे 29 लोगों को डिपोर्ट किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका जिला पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 29 विदेशी लोगों को पकड़कर डिपोर्ट किया। इनमें बांग्लादेश, आइवरी कोस्ट, नाइजीरिया, लाइबेरिया, तंजानिया और बेनिन के नागरिक शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि ये लोग बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे थे, जिससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव पड़ रहा था। द्वारका जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने डीसीपी द्वारका अंकित सिंह की निगरानी में यह कार्रवाई की।

लुधियाना में वन-टू-वन : पंजाब के निवेशकों को मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में किया आमंत्रित

15 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले, 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा

निवेशकों से बोले- आप यहां भी काम करते रहें, एक-दो फैक्ट्री मध्यप्रदेश में भी लगाएं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी, आपकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग-धंधे लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक भूमि, बिजली, पानी, कुशल कार्यशक्ति सब उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब दोनों भाइयों की तरह हैं। ■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

मप्र में पंजाब जैसी ही अनंत संभावनाएं : मंडलोई

सत्र के दौरान मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने देश के दिल मध्यप्रदेश में सभी निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि आज मध्यप्रदेश के विकास की झलक पंजाब में दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्ल्ड क्लास लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। पंजाब के जैसे ही मध्यप्रदेश में उद्योग-व्यापार की अनंत संभावनाएं हैं। पंजाब के निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश लैंड ऑफ अपॉर्च्युनिटी बन सकती है।

उद्योगपतियों को प्रदेश की नीतियों से कराया अवगत

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश तकनीक के क्षेत्र में तेजी से बढ़ता राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पूरा ध्यान राज्य के औद्योगिकीकरण पर है। मध्यप्रदेश में निवेश की अनंत संभावनाएं हैं। प्रदेश में नार्थ, साउथ कॉरिडोर हैं। यहां लॉजिस्टिक की अच्छी सुविधाएं हैं। हमारे पास एक लाख एकड़ से ज्यादा लैंड बैंक है। केंद्र की ओर से उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, धार में पीएम मित्र पार्क, मुरैना में लेदर पार्क और बाबई में इलेक्ट्रिक उपकरण पार्क मिला है। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास पर केंद्रित 18 नई ■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

मध्यप्रदेश में उद्योग-व्यापार की अनंत संभावनाएं : गुप्ता

चेयरमैन ट्राइडेंट ग्रुप राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लुधियाना पंजाब का मैनचैस्टर जैसा है। पंजाबियों के हौंसले बुलंद हैं, जो देश-विदेश में जाकर काम कर रहे हैं। हमारे ग्रुप को 10 साल में मध्यप्रदेश से काफी सहायता मिली और आज हम एमपी से दुनिया के 100 देशों में निर्यात करते हैं। मध्यप्रदेश से अच्छा कोई राज्य देश में नहीं है। यहां 5 लाख करोड़ का निवेश अगले तीन साल में पूरा करेंगे। उज्जैन के पास एक इंस्टीट्यूट की शुरुआत करेंगे। पंजाब के जैसे ही मध्यप्रदेश में उद्योग-व्यापार की अनंत संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश ग्लोबल मार्केट के लिए लॉन्च पैड है।

मध्यप्रदेश है ग्लोबल मार्केट के लिये लांच पैड : काजरा

उद्योगपति संजीव कालरा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लुधियाना की धरती पर स्वागत है। हमारी कंपनी ने पीथमपुर में दुनिया की बड़ी ट्रक निर्माण यूनिट लगाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व और विजन से हमें प्रेरणा मिलती है। मध्यप्रदेश को 500 बिलियन की इकोनॉमी बनाने का विजन प्रशंसनीय है। राज्य सरकार जमीन से जुड़े कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पीथमपुर प्लांट से यूरोप समेत अन्य देशों में निवेश कर रहे हैं। मध्यप्रदेश ग्लोबल मार्केट के लिए लॉन्च पैड है। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है। इंदौर में 300 एकड़ में बना व्हीकल टेस्टिंग ट्रैक हमारी कंपनी ने भी यूज किया है। उन्होंने उद्योगपतियों से कहा कि मध्यप्रदेश रेडी टू लीड ■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

पंजाब में बस पलटने से 8 की मौत, 32 घायल

होशियारपुर, एजेंसी। पंजाब में जिला होशियारपुर के तलवाड़ा-दसूहा मार्ग स्थित गांव संघरां के पास सोमवार सुबह हाजीपुर से दसूहा जा रही एक निजी मिनी बस कार से टकरा कर पलट जाने से एक बालक सहित आठ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य सवार घायल हो गए।

- 40 यात्रियों को लेकर हाजीपुर से दसूहा जा रही थी
- एक कार से हुई टक्कर, बस चालक ने नियंत्रण खोया

मुकेरियां के पुलिस उपाधीक्षक कुलविंदर सिंह विर्क ने बताया कि करीब 40 यात्रियों को लेकर बस हाजीपुर से दसूहा जा रही थी, तभी सामने से आ रही एक कार से टकरा कर बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। बस बेकाबू होकर बीच सड़क पर ही पलट गई, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गयी।

मृतकों में मां और पुत्री भी शामिल हैं, जिनकी पहचान रज्जू बाला पुत्री अशरफ और मीना पतनी अशरफ अली निवासी बुड्ढा मल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायल यात्रियों को इलाज के लिए दसूहा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। प्रशासन को तुरंत घायलों की मदद करने के निर्देश दिए।

श्रद्धालुओं की कार हादसे का शिकार, 3 महिलाओं की जान गई

शहडोल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में उत्तरप्रदेश से छत्तीसगढ़ जा रहे श्रद्धालुओं की कार आज तड़के हादसे का शिकार हो गई, जिससे तीन महिला यात्रियों की मौत हो गई। ब्योहारी पुलिस सूत्रों ने बताया कि जोरा गांव के पास आज तड़के चार बजे रीवा-अमरकण्टक राजमार्ग पर एक कार के सड़क किनारे वृक्ष से टकराने से 3 महिला यात्रियों गायत्री कँवर, मालती पटेल और इन्दिरा बाई की मौत हो गई। वहीं चार गंभीर घायलों को ब्योहारी अस्पताल ने शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया है। सूत्रों के अनुसार वाहन सवार यात्री अयोध्या से तीर्थाटन कर वापस छत्तीसगढ़ जा रहे थे कि वाहन वृक्ष से टकरा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा भारत

ब्रिक्स देश घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे : मोदी

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स समूह को नया आयाम देते हुए कहा है कि इसका मतलब 'सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन और नवाचार ' है। रियो डी जेनेरियो में सोमवार को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देश सभी विषयों पर घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे और समूह को फिर से परिभाषित करने पर काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, अगले वर्ष भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत हम सभी विषयों पर घनिष्ठ सहयोग जारी रखेंगे...हम ब्रिक्स को फिर से परिभाषित करने की दिशा में काम करेंगे। भारत अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का मतलब होगा सहयोग और स्थिरता के लिए लचीलापन तथा नवाचार । उन्होंने कहा कि जिस तरह जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जी-20 समूह को व्यापक बनाया और एजेंडे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को प्राथमिकता दी, उसी तरह ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत इस मंच को जन-केंद्रित और मानवता सर्वोपरि की भावना से आगे ले जाएगा।

रियो डी जनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-मलेशिया के बीच संबंधों की प्रगति की समीक्षा की और निवेश व व्यापार संबंधों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बहुत अच्छी बैठक थी। मलेशिया भारत के लिए महत्वपूर्ण है, हमारे विजन महासागर और एक्ट ईस्ट पॉलिसी में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।

एडीआर के वकील सिब्बल व सिंघवी ने जल्द सुनवाई की मांग की थी

बिहार मतदाता सूची मामले में 10 को सुप्रीम सुनवाई

- आयोग के अभियान के खिलाफ कई याचिकाएं हैं दायर
- चुनाव आयोग ने सिर्फ एक महीने की समय सीमा दी है
- आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के मामले को लेकर एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। एडीआर की ओर से दायर याचिका में वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द सुनवाई की मांग की है। सिब्बल ने कोर्ट में कहा, यह लाखों मतदाताओं का सवाल है। अगर इस कार्रवाई को तुरंत नहीं रोका गया तो इसका असर सबसे कमजोर तबके पर पड़ेगा।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार इस मामले में विचार करेगी। वकील अभिषेक मुन सिंघवी ने कहा, 8 करोड़ मतदाता हैं और 4 करोड़ को गणना करनी है। यह नामुमकिन काम है। 25 जुलाई तक दस्तावेज जमा करने की समय सीमा इतनी सख्त है कि अगर कोई चूक गया, तो उसका नाम सूची से बाहर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह समय सीमा इतनी कम है कि लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं। इसके साथ ही वकीलों ने यह भी मांग की कि इस मामले की सुनवाई आज या कल की जाए, क्योंकि चुनाव आयोग ने सिर्फ एक महीने की समय सीमा दी है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 10 जुलाई (गुरुवार) को करने के लिए राजी हो गया ■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

मतदाताओं को न्याय दिलाने के लिए पहुंचे कोर्ट: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता वोटर सूची में नाम जुड़वाने के लिए परेशान हो रहे हैं और उन्हें आयोग की शर्तों के अनुसार दस्तावेज जुटाने में भारी दिक्कत हो रही है इसलिए लोगों को राहत देने के मकसद से और उनके साथ न्याय की मांग करते हुए इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। कांग्रेस ■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

2 गुजराती 8 करोड़ बिहारियों के वोट छीनने की कोशिश में : लालू

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कराए जा रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। इसको लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सरकार पर तीखा हमला बोला है। लालू प्रसाद ने एक्स पर लिखा, दो गुजराती■ **शेष पृष्ठ 8 पर**

बारिश के कहर से बह गई सड़कें, जबलपुर-मंडला मार्ग बंद

अनूपपुर में तेज बहाव में कार बही, 4 की मौत, डिंडौरी में धमनी-कुसेरा सड़क धंसी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रियता के साथ अपना प्रभाव दिखा रहा है। बारिश का कहर ऐसा है जिसमें कई सड़क और पुल-पुलिया बह गई हैं। प्रदेश के जिलों में भारी से भारी बारिश हो रही है। जबलपुर में भी सोमवार को सुबह से कभी तेज तो कभी मध्यम स्तर की बारिश हो रही थी। आंकड़ा 15.4 इंच पर समाचार लिखे जाने तक पहुंच गया है, जिसके बढ़ने की संभावना है। नर्मदा के गौरीघाट सहित अन्य तटों में चार से पांच फीट पानी बढ़ गया है। इस बीच 7 जुलाई को भी चार और गेट खोले गये जिसके बाद बरगी बांध में अब तक 13 गेट खुल गये हैं। बालाघाट में लगातार बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया।

इसी तरह डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया है। तीन साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सड़क बनी थी। सड़क टूटने से इस रास्ते पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। सीहोर में पार्वती व पपनाश नदी भारी बारिश के चलते उफान पर हैं। पार्वती नदी पर हादसा होते-होते बचा। पानी पुल के ऊपर से बह रहा था।

इस बीच कार चालक ने लोगों के मना करने के बाद भी कार नहीं रोकी और आगे जाकर वो फंस गई। लोगों ने कार सवार को बाहर निकाला। मंडला में पिछले 24 घंटे में हुई भारी बारिश से नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेबल क्रॉस कर 437.40 मीटर पर पहुंच गया है। माहिष्मती घाट स्थित छोटा पुल फिर डूब गया है। साथ ही मटियारी, सुरपन, बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। नर्मदापुरम समेत 8 जिलों में जारी रहेगी तेज बारिश-मौसम विभाग ने आज मंगलवार के लिये पूर्वानुमान जारी किया है, इसके अनुसार 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अनूपपुर में कार बहने का हादसा

पुल से बस निकलती देख कार वाला भी पीछे आया और बह गई जिंदगी

अनूपपुर, देशबन्धु। रविवार की रात अनूपपुर जिले में अमरकंटक रोड पर जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर सजहा नाले में तेज बहाव के दौरान एक कार बह गई, जिसमें पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे सवार थे। सोमवार को पुलिस ने चारों के शव बरामद कर लिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसईसीएल सोहागरपुर के फोरमैन चंद्रशेखर यादव 38 वर्ष, अपनी और बच्चों के साथ अमरकंटक से लौट रहे थे। हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे हुआ, जब सजहा पुल पर तेज बहाव के बावजूद उन्होंने कार आगे बढ़ाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की थी, लेकिन एक बस के सुरक्षित पार होने के बाद चंद्रशेखर ने भी कार आगे बढ़ा दी। पुल का हिस्सा अचानक टूट गया और कार तेज धारा में बह गई। जिसकी सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सू री, कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन एवं होमगार्ड कमांडेंट सहित अन्यि अधिकारी एवं कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचे।

शव को तलाशने चला सर्च अभियान - सजहा नाले में बही कार के साथ चंद्रशेखर यादव, प्रीति यादव, पुत्र रेयांश और पुत्री सीबी के शव की सर्चिंग की गई। जहां नाले के किनारे कार क्षतिग्रस्तख हालत में मिला, लेकिन कार के अंदर कोई नही था। जिसके बाद प्रीति यादव का शव त्रिपाठी क्रेशर के पीछे बकान नदी में मिल गया था, वहीं दूसरे लगातार चंद्रशेखर एवं उनके दोनो बच्चों के शव की तलाश की जा रही थी। जहां चंद्रशेखर का शव ग्राम छिटापटपर के पास समुदहा नदी, पुत्र रेयांश का शव ग्राम खमरिया के पास बकान नदी में तथा 2 वर्षीय सीबी का शव खेरकुंडी ग्राम निदावन बकान नदी में मिला।

पूरा परिवार उजड़ गया, मां-बाप पर टूटा दुखों का पहाड़

जानकारी के अनुसार, चंद्रशेखर यादव मूलतः बाबा कालोली बदरा के निवासी थे और सोहागपुर एसईसीएल में कार्यरत थे। उनकी माता-पिता पहले ही दिवंगत हो चुके थे। वह अनूपपुर में परिवार के साथ रहते थे। इस हादसे में पूरा परिवार खत्म हो गया। प्रीति यादव जो कि जिला चिकित्सालय में नर्स थीं, उनके माता-पिता शवों को देखकर बेसुध हो गए। जिला चिकित्सालय में वातावरण शोकाकुल रहा।

मंत्री ने पहुंचकर दी सांत्वना, की आर्थिक सहायता की घोषणा

घटना की जानकारी मिलते ही कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। मंत्री ने पीड़ित परिवार को विधायक निधि से 25-25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

सीबीआई जबलपुर जोन के अधिकारियों से करेगी पूछताछ

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे जोन के अंतर्गत कोटा मंडल में मुख्य लोको लायलट की विभागीय परीक्षा में हुई धांधली को लेकर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई) जयपुर ने लोकपाल की अनुशंसा पर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। सीबीआई ने इस धांधली को लेकर कड़ा रूख करते हुए मामला पंजीबद्ध करते हुए जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सीबीआई टीम द्वारा कई छोटे-छोटे बिन्दुओं पर जांच की कार्रवाई किए जाने की योजना बनायी है। पमरे के महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय कोटा एवं जबलपुर में तरह-तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। सीबीआई की जांच किए जाने से जबलपुर एवं कोटा मंडल में हड़कम्प मचा हुआ है। दिल्ली में पदस्थ लोकपाल द्वारा इस प्रकरण में अपनी पैनी नजर रखी हुई है। यहाँ इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि कोटा मंडल में पदस्थ कर्मचारियों द्वारा नियम विरूद्ध ढंग से कार्य संपादन करना आम बात हो गई है। कोटा मंडल के अधिकतर कर्मचारी जनप्रतिनिधियों की गोद में बैठकर काम करते हैं और अधिकारियों तक दबाव बनाने में सफल रहते हैं। इसी के साथ ही साथ कुछ कर्मचारियों ने प्रभावशाली यूनियन की चादर ओढ़ रखी है इसी के कारण उनके हौसले इतने बुलंद रहते हैं कि वह नियम कानूनों को अपनी जेब में ही रखकर चलते हैं। कोटा में सतर्कता निरीक्षक आए दिन नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं गौरतलब है कि जबलपुर जोन के एक सतर्कता निरीक्षक द्वारा प्रति माह रेलवे में एसी प्रथम श्रेणी में मुफ्त यात्रा करके लाखों रूपयों का धड़ल्ले से चूना लगाया जा रहा है एक निरीक्षक जो कि कोटा निवासी है वह प्रत्येक शुक्रवार को बगैर ड्यूटी व मुख्यालय तक छोड़ने की अनुमति के बगैर कोटा आना जाना करता है यह अपने आपके मुख्य सतर्कता अधिकारी से कम नहीं समझता है जब तक अधिकारी ठोस निर्णय लेकर कदम नहीं उठाएंगे तब तक इस प्रकार की भर्राशाही का आलम हमेशा चलता रहेगा सतर्कता विभाग ने यदि समय पर कोटा मंडल में प्रमोशन में धांधली की जांच करता तो सीबीआई इस प्रकरण को जांच नहीं करती।

इन अधिकारियों से होगी पूछताछ

जानकारी के अनुसार सीबीआई जयपुर की टीम जबलपुर जोन एवं जबलपुर मंडल के कुछ अधिकारियों से पूछताछ किए जाने की भी योजना बना रही है। इसके तहत या तो अधिकारियों को जयपुर बुलाकर बयान दर्ज करेगी या फिर जबलपुर में टीम आकर बयान लिए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार इसमें उन अधिकारियों को भी शामिल किया जा रहा है जिन्होंने परीक्षा लेते समय जो भी विभागीय कर्मचारी परीक्षा में शामिल हुए थे और परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं में जांच करते हुए अपने सिंग्नेचर किए हैं। पमरे के जबलपुर मंडल के कुछ राजपत्रित अधिकारियों को जांच के नाम पर अभी से पसीना छूट रहा है।

सार-समाचार

जिले में अब तक 370.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

गुना, देशबन्धु। जिले में 01 जून से अब तक 370.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 35.2 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 258.7 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिलीमीटर है।

अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून से 07 जुलाई 2025 प्रातः 8:00 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 642.3 मिलीमीटर, बमौरी में 542.0, आरोन में 381.0, राघौगढ़ में 322.0, चांचौड़ा में 284.0, कुम्भराज में 192.0 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सू,दनगढ में 230.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

जिले में बीते 24 घंटे में 16.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 23.0 मिमी., बमोरी में 1.0 मिमी., आरोन में 77.0 मिमी., राघौगढ़ में 8.0 मिमी., चांचौड़ा में 2.0 मिमी., कुंभराज में 0.0 एवं वर्षामापी केन्द्र मक्सूीदनगढ़ में 3.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

कलेक्टर ने की कई विभागों के निर्माण कार्यो की समीक्षा

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में विभिन्न विभागों के विकास और निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय सड़क प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यो की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराया जाएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रायसेन-राहतगढ़ मार्ग पर एलिवेटेड कॉरीडोर के निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग के तहत निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान रायसेन, उदयपुरा, गैरतगंज, बेगमगंज सहित अन्य तहसीलों में निर्माणाधीन सांदीपनी स्कूल भवनों के कार्य की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि सड़कों का रखरखाव बेहद जरूरी है। सड़कों में गड्ढे होने पर उन्हें तुरंत भरवाएं। साथ ही मरम्मत योग्य पुल-पुलियों को भी ठीक करवाने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन संयुक्त तहसील भवनों, एसडीएम भवन सहित अन्य निर्माण कार्यो की भी समीक्षा की गई। जल संसाधन विभाग के तहत निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा करते हुए कार्यो की प्रगति, भू-अर्जन की स्थिति और किसानों को भुगतान शेष होने संबंधी जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यो की भी

महिला बाल विकास, शिक्षा, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड सदस्यों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

बच्चों की किसी भी सहायता के लिये डायल करें चाइल्डट हेल्पा लाइन नंबर 1098

गुना, देशबन्धु। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविंद्र मोरे (कैबिनेट मंत्री दर्जा) गुना जिले का भ्रमण किया गया है। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस गुना में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड सदस्यों के कार्यों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अब्दुल गफ्फार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बैठक के एजेण्डा तथा विभाग द्वारा किये गये कार्यों के बारे में बताया गया। अध्यक्ष श्री मोरे द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह,एवं भिक्षावृत्ति के प्रचार-प्रसार के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने विभाग द्वारा रोके गये बाल विवाह एवं बाल विवाह पर की गई एफआईआर के विस्तृत प्रतिवेदन भेजने एवं स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के हितग्राहियों को शिक्षा हेतु सहायता राशि निरन्तर प्रदान किये जाने, बच्चों की किसी भी सहायता की जरूरत हेतु चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 के प्रचार-प्रसार जैसे स्कूलों बालकों से संबंधित संस्थान एवं हॉस्टल में शिकायत सुझाव पेटी लगाने एवं चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर चस्पा करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दिये गये। साथ ही उन्होंतने जिला शिक्षा अधिकारी एंव डीपीसी को स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के बस्तो के वजन पर निगरानी करने एवं शिक्षा गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिये।

अध्यक्ष को बाल कल्याण समिति द्वारा कार्यो में आ रही समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया। अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि समस्याओं के निराकरण हेतु राज्य स्तर पर हर संभव प्रयास किया जायेगा। समीक्षा बैठक में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजेश गोयल, जिला परियोजना समन्वयक ऋषि शर्मा, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य अखिलेश विजयवर्गीय, शखा दुबे, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नीरू शर्मा, सदस्य अनुसुईया रघुवंशी, सुधाकर शर्मा, श्रीमती रेण मिश्रा, रविन्द्र रघुवंशी आदि उपस्थित रहे।

शिविर में दिव्यांगजनों का किया जाएगा स्वास्थ्य परीक्षण

गुना, देशबन्धु। कलेक्टमर श्री किशोर कुमार कन्यूल के निर्देशानुसार गुना जिले के दिव्यांगजनों की सुविधा एवं लोकहित की दृष्टि से जिले के नगरीय/ग्रामीण निकायों में दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र/यूडीआईडी कार्ड प्रदाय किये जायेंगे।

जारी आदेशानुसार गुना में दिनांक 09 जुलाई 2025 को जिला चिकित्साशलय गुना में, राघौगढ़ में दिनांक 10 जुलाई 2025 को सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र राघौगढ़ में, मक्सूदनगढ़ में दिनांक 11 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र, बमोरी में दिनांक 14 जुलाई को आरोन में 15 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आरोन में, चांचौड़ा में 16 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों चांचौड़ा तथा कुंभराज में 17 जुलाई 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों कुंभराज में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

विद्युत प्रवाह रहेगा बाधित

गुना, देशबन्धु। सहायक प्रबंधक विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार 33/11 केव्हीक हड्डीमील सब स्टेशन पर मेंटनेंस कार्य होने से दिनांक 08 जुलाई 2025 को प्रातः 10 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। जिससे श्रीराम कॉलोनी, रसीद कॉलोनी, बांसखेडी, रेल्वे फाटक तक, मालपुर रोड, साईसिटी कॉलोनी, संस्कार सिटी वाला क्षेत्र, विधार्थी नगर, विध्यांचल कॉलोनी, राज कॉलोनी, बीजी रोड आदर्श नगर, रामकृष्ण कॉलोनी, कृष्णणी कॉलोनी, साईसिटी कॉलोनी एवं भुल्नपुरा क्षेत्र आदि का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्ता विद्युत कटोती समय को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता हैं।

दीक्षा महोत्सव : पहले दिन 18 सौ लोगों को मिला गुरु मंत्र

छतरपुर, देशबन्धु। बागेश्वर धाम में 2 जुलाई से 11 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 7 एवं 8 जुलाई को दो दिवसीय गुरुदीक्षा महोत्सव रखा गया है। पहले दिन 1800 लोगों को पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मंत्र देकर दीक्षित किया है। दो दिनों में 4 हजार लोगों को दीक्षा लेना है।

बताया गया है दस राज्यों के लोगों ने गुरु दीक्षा के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीयन कराया है। महोत्सव के पहले दिन महाराज ने अपरान्ह करीब 3 बजे कथा पंडाल में आकर दीक्षा लेने के नियम बताकर कहा कि नियम और संयम से रहने वाले ही गुरु मंत्र लेकर जीवन भर सनातन के लिए कार्य करें। महाराज ने बारी-बारी से शिष्यों को मंत्र देकर दीक्षित करके कहा कि सुबह शाम गुरु मंत्र का जाप करें और हृदय में बालाजी का स्मरण करें। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, राजस्थान समेत 10 राज्यों से बड़ी संख्या में लोग दीक्षा लेने बागेश्वर धाम आए हैं।

धाम में किया गया 18 बच्चों का नामकरण : सोमवार को करीब 18 बच्चों के नामकरण महाराज द्वारा किए गए। 18 साल बाद जब महिला की गोद भरी तो उसे रहा नहीं गया और वह बच्चे को लेकर बागेश्वर धाम आ गई। महाराज श्री की गोद में रखते हुए महिला ने बेटे का नामकरण करने की प्रार्थना की।

महाराज श्री ने आशीर्वाद देते हुए बच्चे का नाम रामानंद रखा। उत्तर प्रदेश के भदोही से आई एक मां की अर्जी पूरी होने पर नवजात शिशु का नाम पुष्पांजलि रखा, महाराष्ट्र की एक महिला ने बच्चे की आस में बागेश्वर धाम आकर बालाजी के दरबार में अर्जी लगाई। इसके 1 साल बाद ही उसे बेटे के रूप में आशीर्वाद मिला। महाराज ने इस बच्चे का नाम अखिलेश रखा। एक नवजात शिशु का नाम उमा रखा गया। पठानकोट से आई महिला को 9 साल बाद बेटी हुई, इस बेटी का नाम रिद्धि रखा गया। बड़हलगंज बिहार से आई महिला को जुड़वा बच्चों के रूप में आशीर्वाद मिला। महाराज ने इनका नामकरण राम और श्याम किया। आजमगढ़ उत्तर प्रदेश से आई एक महिला को 7 साल बाद बच्चा हुआ, महाराज ने उसे रामस्नेही नाम दिया।

चांचौड़ा और आरोन में कृषि पर आधारित प्रशिक्षण संपन्न

गुना, देशबन्धु। देवारण्य योजना के अंतर्गत आज म.प्र.राज्य औषधि पादप बोर्ड, भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ.के. एस. गनावे के मार्गदर्शन में विकासखंड चांचौडा एवं आरोन के कृषकों एवं स्व सहायता समूह के सदस्यों को 'एक जिला एक औषधीय पौधा' योजना के अंतर्गत अश्वगंधा की खेती संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा अश्वगंधा की कृषि हेतु खेत तैयार करना, पौध तैयार करना, बिजाई, जैविक खाद प्रयोग, कीटनाशक प्रयोग, निंदाई-गुड़ाई, सिंचाई फसल कटाई,उपज भंडारण, प्रसंस्करण, विपणन, फसल चक्र, रासायनिक संगठन उच्च गुणवत्ता तथा उपयोग आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

देवरण्य योजना अंतर्गत एक जिला एक औषधि पौधा अश्वगंधा के औषधीय गुणों की जानकारी:

औषधीय पौधे अश्वगंधा की आर्थिक संभावनाओं के बारे में अवगत कराया गया।

आयुष अधिकारी डॉ.के एस. गनावे ने बताया कि देवारण्य योजना के अंतर्गत जिले में अश्वगंधा को 'एक जिला एक औषधीय पौधा' के रूप में चयनित किया गया है, जिसके तहत जिलेभर में अश्वगंधा की खेती को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती को प्रोत्साहित करना और स्थानीय समितियों को सशक्त बनाना है। विशेषज्ञों द्वारा यह भी बताया गया कि अश्वगंधा को मिरेकल प्लांट तथा इंडियन जिनसिंग भी कहते है। जिसकी मांग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी से बढ़ रही हैं।

विकास खंड चांचौडा में डॉ. पर्वत सिंह धाकड़, डॉ. जयराम यादव, डॉ. आकांक्षा गुप्ता, श्री अजब सिंह लोधा द्वारा तथा विकास खंड आरोन में डॉ. विजय कुमार वर्मा, डॉ. अंकेश अग्रवाल, डॉ. हुकुम सिंह धाकड़, श्री शैलेंद्र श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण दिया गयाद्य प्रशिक्षण में उपस्थित सभी सदस्यों को प्रशिक्षण किट एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एमपी नगर इलाके में लगा जाम लगा, रेंगते रहे वाहन

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में सोमवार को दोपहर से देर शाम तक तेज बारिश जारी रही। इसके चलते जीजी फ्लाईओवर और एमपी नगर जोन-1 से लेकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने से होकर हबीबगंज तक जाने वाले और बोर्ड ऑफिस चौराहे से चेतक ब्रिज होकर जाने वाले मार्गों पर करीब एक घंटे तक यातायात जाम की स्थिति रही। इस दौरान वाहन रेंगते नजर आए। फ्लाईओवर पर तो जाम में एक एंबुलेंस भी फंसी रही। वही अन्य वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि जीजी फ्लाईओवर के अंत में, यानी हबीबगंज नाके के पास बारिश का पानी भर जाने से गाड़ियां धीमी हुईं और यातायात जाम लग गया, जिसमे सेकड़ो वाहन फस गए। कमोवेश यही स्तिथि फ्लाईओवर हबीबगंज से आने वाले मार्ग के अंतिम छोर यानि गवर्मेंट प्रेस के पास भी बनी। इसके चलते यहाँ से प्रभात चोराहे के ब्रिज तक जाम लग गया। खास बात यह रही की वाहन चालकों ने जब वैकल्पिक मार्गो मसलन केंद्रीय विधालय, गवर्मेंट प्रेस और प्रेस काम्प्लेक्स होकर जाने वाले मार्गो का सहारा लिया तो यहाँ भी जाम के हालत बन गए। इस तरह समूचा एम पी नगर इलाके में जाम के हालत रहे। वही बारिश की वजह से सड़क पर फिसलन और जगह- जगह जलभराव ने हालात को और बिगाड़ दिया था।

विमानतल की महिला कर्मचारी से सरेराह छेड़छाड़

चलती गाड़ी से गिराने और गलत ढंग से छूने का प्रयास किया

भोपाल, देशबन्धु। गांधी नगर थाना इलाके में अज्ञात मोटरसाइकिल सवार युवक द्वारा विमानतल की महिला कर्मचारी से सरेराह छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस पीड़िता की शिकायत पर आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक गांधी नगर में रहने वाली 32 साल की युवती ने थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उसने शिकायती आवेदन में बताया कि वह रोजाना ड्यूटी के लिए सुबह विमानतल जाती है। बीते कई दिनों से विमानतल पुल से अज्ञात मोटरसाईकिल सवार युवक उसका पीछा कर रहा है। सुनसान होने का फायदा उठाते हुए आरोपी उसे गलत ढंग से छूने की कोशिश करता था। गत 1 जुलाई को आरोपी ने उसका पीछा किया और विमानतल के करीब फायर स्टेशन आते ही उसे गिराने की कोशिश की। इसके बाद गाड़ी रुकने पर गलत ढंग से छूकर फरार हो गया। आरोपी ने अपनी मोटरसाईकिल की नंबर प्लेट से दो नंबर मिटाकर रखे हैं। यह बात जब पीड़िता ने अपनी महिला सहकर्मियों को बताई तो उनमें से तीन और युवतियों ने ऐसे ही युवक द्वारा उसी घटना स्थल पर अश्लील हरकतें करने की बात कही है। पुलिस पीड़िता के बताए हुलिया के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

आंखों पर सूरमा लगाता है आरोपी

पीड़िता ने बताया कि आरोपी मोटा काले रंग का है। चेहरे पर डाढ़ी होने के साथ ही आंख में सुरमा लगाता है। कुर्ता पायजामा पहनने के साथ ही वह सैंडल पहना हुआ था। गांधी नगर पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरें खंगाल रही है।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार तो युवक ने बड़े तालाब में लगाई छलांग

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के वीआईपी मार्ग पर सोमवार सुबह एक युवक ने रेलिंग को फांदकर बड़े तालाब में छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। बताया गया है कि युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते खुदकुशी की है। उसकी फोन पर आखिर बात भी अपनी प्रेमिका से हुई थी, जिसमे प्रेमिका ने उससे शादी करने से इंकार कर दिया था।

तलैया थाना प्रभारी दीपक डेहरिया ने बताया कि एक युवक सोमवार सुबह करीब 10 बजे वीआईपी मार्ग पर पहुंचा यहाँ उसने अपनी काले रंग की एक्टिवा क्रमांक एमपी 04 यू पी 4937 को सड़क किनारे खड़ा किया। इसके बाद में रेलिंग के किनारे खड़ा कुछ सोचता रहा और फिर अचानक उसने पानी में छलांग लगा दी। इसके बाद वह पानी से बाहर नहीं आया। यह देख मोके पर मौजूद लोगो ने तत्काल डायल 100 पर फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद पहुची पुलिस ने नगर निगम के गोताखोरों को मौके पर बुलाया गया और शव की तलाश की गई। इस बीच युवक का भाई भी मौके पर पहुँच गया, उसने भाई की एक्टिवा की पहचान की और फिर गोताखोरों द्वारा करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव निकलने पर उसकी पहचान अमित साहू उम्र 22 वर्ष निवासी कोकता बाइपास के रूप में की। मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया और दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। साथ ही मार्ग दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

6 साल से था प्रेम प्रसंग

मृतक के भाई रवि साहू ने बताया कि अमित ने बीकॉम की पढ़ाई की थी और ओला में खुद की टैक्सी चलाता था। उसका पिछले 6 साल से एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग था। अमित उससे शादी करना चाहता था। इसके लिए परिजन भी राजी थे, लेकिन युवती ने पिछले दिनों अचानक शादी से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर अमित तनाव में रहने लगा था। खुदकुशी से पहले भी अमित की शादी की बात को लेकर उक्त युवती से बहस हुई, इसके बाद उसने तालाब में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना को टालने वाले 13 रेलकर्मियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

डीआरएम ने किया सम्मानित, कहा- कर्मचारी की सजगता सबसे बड़ा स्तंभ

भोपाल, देशबन्धु। रेल यात्रियों की सुरक्षा में सतर्कता और सजगता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करने वाले 13 रेलकर्मियों को सम्मानित किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित समारोह में रेलकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इन कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान समय रहते सूझ-बूझ और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टाल दिया। इनकी सतर्कता से जहां एक ओर यात्रियों की जानमाल की रक्षा हुई, वहीं रेलवे की कीमती संपत्ति भी सुरक्षित रही। सम्मान समारोह में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) देवाशीष त्रिपाठी ने कहा कि रेलवे की संरक्षा प्रणाली में कर्मचारियों की सजगता सबसे बड़ा स्तंभ है। आपके प्रयासों से ना केवल यात्रियों का विश्वास मजबूत होता है, बल्कि पूरे रेलवे मंडल का गौरव भी बढ़ता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए रेलवे लगातार अपने कर्मचारियों को आधुनिक प्रशिक्षण और संसाधन मुहैया करा रहा है।

इन कर्मचारियों को किया सम्मानित

सम्मानित होने वाले कर्मचारियों में देवेन्द्र चौहान कांटेवाला, नर्मदापुरम, मिथुन सरोदे उप स्टेशन प्रबंधक, मिसरोद, ऋषि पांचाल कांटे वाला, मिसरोद, गौरव भोसले ट्रेन मैनेजर, सुरगांव बंजारी, अंकित सिंह चंदेल गुड्स ट्रेन मैनेजर, इटारसी, दीपक कुमार पटेल ट्रैक मेंटेनर-बानापुरा, पप्पू नाथ योगी ट्रैक मेंटेनर, भोपाल, शाकूर खान ट्रैक मेंटेनर, भोपाल, शिवनारायण गेटमैन, ब्यावरा राजगढ़, नरेंद्र ट्रैक मेंटेनर, बीना, मुकेश कुशवाहा ट्रैक मेंटेनर, ब्यावरा राजगढ़, दशरथ कुमार लोको पायलट, इटारसी, गंगाराम कुशवाहा सहायक लोको पायलट, इटारसी शामिल है।

महाविद्यालयों में पीजी में प्रवेश के लिए बढ़ी अंतिम तिथि

भोपाल, देशबन्धु। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थियों को राहत दी है। उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए विभाग ने पीजी स्तर पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग राउंड (सीएलसी) की समय सरणी में बदलाव किया है। जिसके तहत ऑनलाइन पंजीयन की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 7 जुलाई से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन और आवेदन कर सकेंगे। नई समय सरणी के अनुसार, वे सभी विद्यार्थी जो सत्र 2025-26 में पीजी के विषयों में प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन करना होगा। इन विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए दिनांक, स्थान और समय की सूचना 14 जुलाई को मिलेगी। इसके बाद, इन विद्यार्थियों के साक्षात्कार और उनके अंकों की पोर्टल पर प्रविष्टि 16 और 17 जुलाई को की जाएगी। यह चरण उन विशिष्ट पाठ्यक्रमों के लिए है जिनमें प्रवेश हेतु साक्षात्कार आवश्यक होता है। सीट आवंटन की प्रक्रिया 21 जुलाई को पूरी की जाएगी। जब विद्यार्थियों को उनके संबंधित महाविद्यालयों में सीटों का आवंटन किया जाएगा। सीट मिलने के बाद, आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 जुलाई से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा।

ऋषिराज डेंटल कॉलेज को मिला पुरस्कार

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने एक समारोह में ऋषिराज डेंटल कॉलेज को लीडिंग डेंटल इंस्टीट्यूट ऑफ सेंट्रल इंडिया के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान कॉलेज द्वारा दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान और नवाचारों को मान्यता देता है। कॉलेज के ओएसडी डॉ प्रशांत जाजू ने पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहा हम इस सम्मान को पाकर अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं। यह हमारी टीम के अथक प्रयासों और हमारे छात्रों की प्रतिभा का प्रमाण है। हम भविष्य में भी दंत चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पुरस्कार से कॉलेज की प्रतिष्ठा और भी बढ़ी है, जिससे यह मध्य भारत में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित हो गया है।

लोहे की चौखट में उतरा करंट, छूते ही हुई मासूम की मौत

भोपाल, देशबन्धु। ईटखेड़ी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निर्माणाधीन मकान में करंट से झुलसकर एक मासूम छात्र की मौत हो गई। पुलिस मर्ग दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

ईटखेड़ी थाना प्रभारी आशीष सप्रे के अनुसार 11 वर्षीय ओमी अहिरवार तीसरी कक्षा का छात्र था। वह लांबाखेड़ा में परिवार के साथ रहता था। उसके पिता चैन सिंह रविवार को पड़ोस के निर्माणाधीन मकान में मिस्त्री का काम कर रहे थे। शाम को ओमी खेलता हुआ अपने पिता के पास गया था। इसी दौरान मासूम ने अंदर लगी दरवाजे की लोहे की चौखट को छू लिया। चौखट में पहले से ही करंट उतरा हुआ था, जिससे छूते ही वह झुलस गया। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सको ने जाँच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुँचाया और सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार चौखट में करंट उतरने को लेकर जांच की जा रही है।

गोदान एक्सप्रेस अब गोंडा तक चलेगी

भोपाल, देशबन्धु। रेल प्रशासन ने गोरखपुर में चल रहे अधोसंरचनात्मक कार्यों के चलते दो प्रमुख ट्रेनों की गंतव्य में अस्थायी बदलाव किया है। गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस को अब गोंडा तक और एलटीटी-गोरखपुर-एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को आजमगढ़ तक अस्थायी रूप से विस्तारित किया है। यह बदलाव दिसंबर 2025 तक लागू रहेगा। दोनों ट्रेनें पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्र से होकर गुजरती हैं।

मैदान का अधिग्रहण रोकने मंत्री के बंगले पर पहुंचे लोग

बोले-भेल ने चारदीवारी बनाकर लीज पर दे दिया

भोपाल, देशबन्धु। बरखेड़ा के एफ सेक्टर स्थित बाबूलाल गौर खेल एवं दशहरा मैदान के अधिग्रहण के विरोध में सोमवार को भेल युवा संगम समिति के बैनरतले कई लोग मंत्री कृष्णा गौर के बंगले पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भेल ने चारदीवारी बनाकर मैदान को लीज पर दे दिया। मंत्री श्रीमती गौर ने इस मामले में भेल प्रबंधन से चर्चा करने की बात कही है।

पूर्व पार्षद केवल मिश्रा ने मंत्री श्रीमती गौर को बताया कि पिछले 10 साल से इस मैदान पर सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन भी किए जा रहे हैं। वहीं, क्रिकेट, कबड्डी, वालीबॉल की प्रतियोगिताए भी होती हैं। पहले मैदान उबड़-खाबड़ था, जिसे लोगों ने मिलकर 300-400 ट्रक मिट्?टी डालकर समतल किया। लेकिन भेल प्रबंधन ने इसी मैदान का अधिग्रहण किया है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भेल ने इस मैदान को चारदीवारी बनाकर लीज पर दे दिया है, जिसका विरोध रहवासी लगातार कर रहे हैं। वहीँ लोगों ने मंत्री से मिलकर उन्हें अपनी समस्याएं बताई गईं। रहवासियों का कहना है कि अगर उनकी समस्या का निराकरण नहीं किया जाता है तो वो उग्र प्रदर्शन और आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे। हालाँकि मंत्री श्रीमती गौर ने रहवासियों को आश्वासन दिया कि वे भेल प्रशासन से बात करेंगी।

आवश्यकता है

पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय सोहागपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मापदंडों के अनुसार कॉलेज कोड 28 के तहत् निम्न पदों पर योग्य व्यक्ति नियुक्त किये जाने हैं।

विषय	पद	विषय	पद
1. अंग्रेजी	01	7. जीव विज्ञान	01
2. इतिहास	01	8 रसायन शास्त्र	01
3. अर्थशास्त्र	01	9. भौतिक शास्त्र	01
4. वाणिज्य	02	10. पीजीडीसीए/ एम.एससी (सीएस)	02
5. गणित	02		
6. वनस्पति शास्त्र	01	11. बीबीए/एमबीए	02

सभी पदों पर आवेदन देने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2025 है।
संपर्क :- पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय
सोहागपुर, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.) पिन 461771
सचिव
सोहागपुर शिक्षा समिति, सोहागपुर

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरी पुत्री का वास्तविक सही नाम आरूषि उइके पिता जितेन्द्र उइके (ARUSHI UIKEY D/O JITENDRA UIKEY) है । परंतु मेरी पुत्री का नाम उसके आधार कार्ड में त्रुटिवश आयूसी पिता जितेन्द्र उइके (Ayushi D/O Jitendra Uikey) दर्ज जो गया है, जो कि गलत है । मेरी पुत्री का वास्तविक नाम आरूषि उइके पिता जितेन्द्र उइके (ARUSHI UIKEY D/O JITENDRA UIKEY) उसके जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज होने से प्रमाणित है । यह कि आरूषि उइके पिता जितेन्द्र उइके व आयूसी पिता जितेन्द्र उइके दोनों एक ही व्यक्ति है।

प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री को आरूषि उइके पिता जितेन्द्र उइके (ARUSHI UIKEY D/O JITENDRA UIKEY) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम	नया नाम
आयूसी पिता जितेन्द्र उइके (Ayushi D/O Jitendra Uikey)	आरूषि उइके पिता जितेन्द्र उइके (ARUSHI UIKEY D/O JITENDRA UIKEY)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा नाम जयश्री शर्मा पत्नी संजय शर्मा निवासी 12 ए, प्राइम नगर एनएक्स, सुखलिया, जिला इंदौर मध्य प्रदेश हूँ । मैं शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. बाल विनय मंदिर इन्दौर में भृत्य के पद पर कार्यरत हूँ । मेरे नाम जयश्री शर्मा की अंग्रेजी में स्पेलिंग त्रुटिवश आधार कार्ड में Jaishri Sharma पत्नी संजय शर्मा (SANJAY SHARMA) अंकित है जोकि गलत है । मेरे वास्तविक सही नाम जयश्री शर्मा (JAYSHREE SHARMA) की अंग्रेजी स्पेलिंग (JAYSHREE SHARMA) पत्नी संजय शर्मा (SANJAY SHARMA) है जिसको मैं अपने आधार कार्ड/शैक्षणिक/अशैक्षणिक/शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में दर्ज करवाना चाहती हूँ । यह कि जयश्री शर्मा (JAYSHREE SHARMA) व जयश्री शर्मा (Jaishri Sharma) दोनों एक ही व्यक्ति हैं

प्रकाशन उपरांत मेरा नाम जयश्री शर्मा (JAYSHREE SHARMA) पत्नी संजय शर्मा (SANJAY SHARMA) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम	नया नाम
जयश्री शर्मा (Jaishri Sharma) पत्नी संजय शर्मा (SANJAY SHARMA)	जयश्री शर्मा JAYSHREE SHARMA) पत्नी संजय शर्मा (SANJAY SHARMA)

Notice to show cause
(General Form) (Sch. 1. App. Form-4)

Process Paid Rs. 15
Date: 07/07/2025.
Shri. M. M. Mahajan. Adv.

IN THE COURT OF THE MEMBER, MOTOR ACCIDENT CLAIMS TRIBUNAL, ICHALKARANJI. AT-SANGLI.

MAC. Application. No. 113/2022.
EXH. No. 26

1.**Smt. Rupali Sambhaji Patil,** Age. 48 years, Occu. House hold. R/o. Tung. Dalavi Galli, Tal. MIraj, Dist. Sangli..... **Applicants**

V/s.

3.**Santosh Nanulal Dhurave,** Age. Major, Occu. Driver, R/o. Bela. Tehsil. Chicholi, Dist. Betul, State. Madhya Pradesh....**Opponents.**

To
The Opponent No. 3 resides as above.

Whereas the above named petitioners has made an application to this court, as per Sec. 166 and 140 of Motor Vehicle Act. 1988. You are hereby warned to appear in his court in person or by a Pleader duly instructed on the date of 13-08-2025 at 10:30 a.m. in the forenoon, to show cause against the said application failing in wherein, the said application will be heard and determined ex-party.

If you are intend to file written statement you must file it within 30 days or in extended period U/o. 8 Rule 1 of C.P.C. Also take notice in default of your filing on address for service on or before the date mentioned, you are liable to have defense stuck out If you have insufficient funds to meet out the court expenses and your income is not more than Rs. 20,000/- per year and you want to defend through an Advocate or legal practitioner, you can do so, through the Legal Aid Committee, which is at your District or Taluka place.

Given under my hand and the seal of the Tribunal this day of 07-07-2025.

Jr. Clerk. Seal **Asstt. Supdt.**
Dist. Court. Sangli.

चिकित्सक ने पति की याद में लगवाया था सौर संयंत्र

4 साल में हुआ 92 हजार यूनिट बिजली उत्पादन

बचाए 10 लाख रुपए और 49 हजार पेड़ों के बराबर कार्बन

भोपाल, देशबन्धु। *आज से 4 साल पहले जब कोविड महामारी ने कई परिवारों को उजाड़ दिया था, तब प्रभात कुमार भी इस बीमारी के कारण दुनिया छोड़ गए थे। उनकी पत्नी और राजधानी की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा अग्रवाल ने पति की स्मृति को %पंच तत्व% से बांधने का निर्णय लिया और अपनी शादी की वर्षगांठ के दिन (7 जुलाई 2021) को जिला चिकित्सालय (जेपी अस्पताल) की छत पर एक सौर संयंत्र स्थापित कराया। इस संयंत्र से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा को सीधे अस्पताल की मुख्य ग्रिड से जोड़ दिया गया था।*

सौर संयंत्र को लगाए सोमवार को 4 साल पूरे हुए। इस मौके पर डॉ. अग्रवाल ने इससे हुई बचत की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है। उन्होंने लिखा कि यह यात्रा आसान नहीं थी। बीच में सौर संयंत्र की चोरी भी हुई, जिससे मैं काफी हतोत्साहित हो गई थी। वहीँ कई लोगों ने उन्हें ताने मारे कि यह भावुकता में लिया गया निर्णय है और कुछ ने तो बेवकूफी भी कहा, लेकिन अंदर का दृढ़ विश्वास कि वे हमेशा दूसरों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती रही हैं, तो क्यों न पहले खुद ही उदाहरण पेश करें, उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहा। चौथी वर्षगांठ पर जब सौर संयंत्र कंपनी के विशेषज्ञों ने इस संयंत्र की उपलब्धि के बारे में बताया, तो उनकी खुशी का ठिकाना न रहा। 3 जुलाई तक के विश्लेषण के अनुसार, इस सौर संयंत्र ने कुल 92 हजार 772 यूनिट बिजली का उत्पादन किया है। इससे अस्पताल के बिजली बिल में लगभग साढ़े 9 लाख रुपए की भारी बचत हुई है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पहल से 49.16 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड और कोयले की बचत हुई है। सोलर कंपनी के मानकों के अनुसार, यह उपलब्धि 49 हजार पेड़ लगाने के बराबर है। यह न केवल आर्थिक बचत का उदाहरण है, बल्कि पर्यावरण के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन भी है।

देशबन्धु

भोपाल, मंगलवार 8 जुलाई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

कंगना और प्रियंका

हिमाचल प्रदेश इस समय भारी बारिश से मची तबाही से जूझ रहा है। कई दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं ने आम आदमी की जान सांसत में डाल दी है। एक बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक 11 महीने की बच्ची महिला अधिकारी की गोद में खेल रही है, उसे पता नहीं कि वह अब अनाथ है, उसके मां-बाप, दादा-दादी समेत पूरा परिवार बह चुका है और वो इस दुनिया में अकेली है। दर्द के ऐसे सैकड़ों किस्से इस समय हिमाचल प्रदेश में दिखाई-सुनाई दे रहे हैं, लेकिन खुद को शान से हिमाचली बताने वाली कंगना रानौत को ऐसे दुख के वक्त में भी हंसी आ रही है।

कंगना रानौत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पत्रकार उनसे पूछ रहे हैं कि उन्हें यहां आने में देर क्यों हुई। साथ ही राहत और बचाव कार्य को लेकर भी सवाल हुए तो कंगना ने बाकायदा खुलकर हंसते हुए कहा कि मेरे पास न तो कोई केबिनेट मंत्री का पद है, न फंड हैं कि मैं कुछ कर सकूं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी समेत कई जिलों में बाढ़ कहर बरपा रही है, जिसके चलते लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। 20 जून से आए मानसून के बाद बारिश इतनी बढ़ी कि अब तक कम से कम 80 लोगों की जान चली गई है, अकेले मंडी जिले में ही 14 लोगों की मौत हुई है। कई लोग लापता हैं। मवेशी, पशु-पक्षी भी बड़ी संख्या में हताहत हुए हैं। खेती और व्यापार तबाह हो रहे हैं। बाढ़ की वजह से 572 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। पेयजल, सड़क, बिजली आदि की सुविधाओं में बड़ी समस्या तो खड़ी हो ही चुकी है, इनसे जुड़ी बड़ी परियोजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। सैकड़ों कच्चे और पक्के मकान क्षतिग्रस्त हैं। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन आजीविका का एक बड़ा आधार है और इस बार की बारिश में जो तबाही आई है, उसका सीधा असर इस व्यवसाय पर भी पड़ेगा।

फिलहाल राज्य की कांग्रेस सरकार मदद और बचाव में लगी है। कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा के भी स्थानीय नेता हालात पर नजर बनाए रखे हैं और लोगों के दर्द सुन रहे हैं। लेकिन कंगना रानौत को इस मौके पर भी राजनीति सूझ रही है। पहले तो कंगना रानौत आपदाग्रस्त क्षेत्र में आने की जगह घूमती-फिरती रहीं और जब रविवार को कंगना ने आपदाग्रस्त सिराज विधानसभा का दौरा किया तो उसमें भी प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने का मौका नहीं छोड़ा। कंगना ने कहा कि केंद्र सरकार ने तुरंत सेना भेजकर राहत अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री भले ही विदेश यात्रा पर हों, लेकिन उन्हें यहां क्या हो रहा है, इसकी जानकारी है। इसके बाद अपनी सीमित भूमिका का जिक्र करते हुए कंगना ने कहा कि एक सांसद के तौर पर मेरा काम फंड लाना और जमीनी हकीकत को सरकार तक पहुंचाना है। मेरे पास अपना तो कोई फंड है नहीं, न कोई अधिकारी हैं और न ही कोई कैबिनेट है। सांसद का काम सीमित होता है। केंद्र का फंड राज्य सरकार के पास आता है, ये लोग पैसा खाकर बैठे हैं। मेरे पास तो फंड आएगा नहीं, देना तो उन्हीं (हिमाचल सरकार) को है।

कंगना के इस बयान से जाहिर है कि उन्हें न हालात की गंभीरता समझ आ रही है, न ही उन्हें मुद्दों की कोई समझ है। वे बस अभिनेत्री होने की लोकप्रियता को भुनाकर संसद पहुंच गई हैं, लेकिन सही मायनों में जनप्रतिनिधि नहीं बनी हैं। याद कीजिए कि पिछले साल इन्हीं दिनों में केरल में भूस्खलन हुआ था। तब नयी-नयी सांसद बनी प्रियंका गांधी और उनके साथ राहुल गांधी केरल पहुंचे थे और दोनों ने घूम-घूमकर सारे आपदाग्रस्त इलाकों का दौरा किया था, पीड़ितों का दर्द बांटा था। प्रियंका गांधी ने लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बनाया था कि केरल के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करे। प्रियंका गांधी की ही मुहिम का असर था कि फिर नरेन्द्र मोदी को भी राज्य का दौरा करना पड़ा था। प्रियंका गांधी संवेदनशीलता के साथ अपनी सांसद की भूमिका को निभा रही हैं, लेकिन कंगना रानौत यहां पूरी तरह से नाकाम दिखीं।

बल्कि अपनी कमजोरी ढंकने के लिए कंगना हिमाचल प्रदेश की सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही हैं। बिना किसी सबूत के कंगना ने कह दिया कि प्रदेश में भ्रष्टाचारी सरकार काम कर रही है। पूर्व में भी केंद्र सरकार ने आपदा के समय जो हजारों करोड़ रुपए भेजे थे, उसे प्रदेश सरकार ही डकार गई है। उन्होंने आशंका जताई कि अब भी केंद्र से जो रिलीफ फंड आयेगा, वो भी प्रभावितों तक पहुंचेगा या नहीं। प्रभावितों तक हर मदद पहुंचे, इसके लिए कोई रास्ता निकालना होगा। कंगना ने मुख्यमंत्री सुक्खू और पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिनका काम है वो लापता है, उनका मानना है कि कंगना आकर काम कर जाती तो अच्छा था या तो कंगना यहां रहकर मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी के काम कर जाती तो वो अच्छा था। खैर हमसे जो भी बन पड़ेगा वो किया जाएगा।

कंगना रानौत सामान्य नेता नहीं हैं, बल्कि निर्वाचित सांसद हैं, इसलिए उन्हें अगर राज्य सरकार पर कोई आरोप लगाना हो तो उसके सबूत भी पेश करने चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं कर रहीं हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी मजबूरी बता रही हैं कि मेरा कोई कैबिनेट तो है नहीं, मेरा काम है केंद्र से राहत कोष लेकर आना। यहां कंगना को पता होना चाहिए कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में सांसद की कई भूमिकाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। एक सांसद के पास सरकार के खर्चों को मंजूरी देने और नियंत्रित करने की शक्ति होती है, यह शक्ति उन्हें बजट और कराधान पर नियंत्रण रखने के कारण हासिल होती है। सांसद यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकार का पैसा प्रभावी ढंग से और जनता के हित में खर्च किया जाए। गौरतलब है कि 1993 में शुरू की गई सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) के तहत हर सांसद को अपने संसदीय क्षेत्र में विकास के लिए हर साल 5 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। इस योजना का संचालन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से किया जाता है। एमपीएलएडीएस के तहत सांसद निधि को जिले में संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों के जरिए भेजा जाता है। जिससे सांसद अपने क्षेत्र में विकास परियोजनाओं की सिफारिश करते हैं। इसमें सड़कें, स्कूल, अस्पताल, पेयजल सुविधाएं और अन्य बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, सांसद जनता की समस्याओं को संसद में उठाते हैं और सरकार से उनके समाधान के लिए अपील करते हैं। प्राकृतिक आपदाओं के समय सांसद अपने क्षेत्र के लोगों को राहत प्रदान करने में मदद कर सकते हैं। राहत सामग्री, राशन, मेडिकल सहायता, राहत शिविर लगाने के साथ-साथ और सरकार से राहत पैकेज की मांग कर सकते हैं। प्रियंका गांधी ने केरल में यही सब किया था। लेकिन कंगना रानौत अपनी जिम्मेदारी निभाने की जगह बहाने बना रही हैं।

नोटबंदी से वोटबंदी तक

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षण के लिए स्वीकार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय के तत्काल जरूरी होने को पहचानते हुए, इस पर विचार के लिए तीन दिन बाद, बृहस्पतिवार 10 जुलाई की तारीख तय की है। इस संबंध में संबंधित पक्षों के लिए नोटिस जारी कर दिए गए हैं। बिहार में विधानसभाई चुनाव से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में छः याचिकाएं पहुंची थीं। इनमें, विशेष रूप से चुनाव सुधारों से संबंधित पहलुओं पर काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्च्स (एडीआर) तथा जनाधिकार संगठन पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) के अलावा तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सांसद, मनोज कुमार झा की याचिकाएं शामिल हैं। सभी याचिकाओं का मुख्य मुद्दा एक ही है, विधानसभाई चुनाव से पहले इतने कम समय में की जा रही मतदाता सूचियों में भारी फेर-बदल की यह पूरी कसरत, खासतौर पर करोड़ों की संख्या में वंचितों तथा कमजोर व हाशिए के तबके के लोगों से मताधिकार छीनने का ही काम करेगी। इसलिए, इस प्रक्रिया पर ही रोक लगाने की प्रार्थना की गयी है।

कहने की जरूरत नहीं है कि अब सभी निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हुई हैं। लेकिन, 25 जून को मतदाता सूची पुनरीक्षण की इस प्रक्रिया के शुरू होने से अब तक इस मामले भारतीय चुनाव आयोग या ईसीआई का जो आचरण रहा है, मोदी राज के ग्यारह साल में मजबूती से कायम कर दी गयी शासकीय संस्कृति को ही प्रतिबिंबित करता है। इस शासकीय संस्कृति के तीन खास तत्व हैं। पहला, नाटकीय तरीके से बड़े लगने वाले और आम जनता के लिए कड़े साबित होने जा रहे, कथित रूप से 'साहसिक' फैसले लेना। इन कदमों की साहसिकता का एक ही सबूत होता है, जनता की तकलीफों की और इन तकलीफों को स्वर देने वाले राजनीतिक विपक्ष के विरोध की परवाह ही नहीं करते हुए, आगे बढ़ते जाना। दूसरा, जनता की मुश्किलों के रूप में इन निर्णयों के दुष्परिणामों के सामने आने पर, लीपा-पोती करने से लेकर, पांव पीछे खींचने तक की कोशिशें करना। और तीसरा, यह सब करते हुए भी इसका शासकीय अहंकार दिखाना कि शासन का फैसला पूरी तरह से सही था और उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है! नोटबंदी के मामले में ये तीनों विशेषताएं खुलकर सामने आयी थीं। शहरबंदी या लॉकडाउन में भी ये तीनों ही विशेषताएं देखने को मिली थीं। और अब इस मतदाता सूची पुनरीक्षण में, जिसे उचित ही बिहार के महागठबंध के झंडे तले संगठित विपक्ष ने 'वोटबंदी' का नाम दिया है, इस छोटी सी अवधि में ही इन तीनों विशेषताओं के दर्शन हो चुके हैं। नोट करने वाली बात यह है कि चुनाव आयोग, एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, इसके बावजूद हम उसे खास मोदीराज की राजनीतिक संस्कृति में रंगा हुआ देख रहे हैं।

जहां तक कथित रूप से 'साहसिक' निर्णय का सवाल है, चुनाव से ऐन पहले और वह भी कुल तीन महीने से भी कम समय में, आठ करोड़ के लगभग मतदाताओं की सूचियां एक तरह से नये सिरे से बनाना, अगर इतना खतरनाक नहीं होता तो बेशक साहसिक तो माना ही जा सकता था। अब यह सभी जान चुके हैं कि बिहार में मतदाता सूचियों में इस तरह का गहन पुनरीक्षण, 2003 में हुआ था। उसके 22 साल बाद, इस गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को नये सिरे से दोहराए जाने की, एक 'बड़ा काम' कर के दिखाने की ललक के सिवा और क्या आवश्यकता थी, इसका चुनाव आयोग की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया है।

राजेंद्र शर्मा

> जहां पहले ही गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर इतने सारे भ्रम तथा कन्फ्युजन हैं, उसके संबंध में भ्रमों की धुंध और गहरी की जा रही है। इस धुंध की आड़ में, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर, नागरिकता के प्रमाण मांग कर एक हद तक एनआरसी थोपी जा रही होगी और करोड़ों भारतीयों का मताधिकार छीना जा रहा होगा और दूसरी ओर, चुनाव आयोग यह कहकर खुद को इसके लिए जिम्मेदारी से भी बचा रहेगा।

बेशक, इस निर्णय से पहले चुनाव प्रक्रिया के मुख्य हितधारकों के रूप में राजनीतिक पार्टियों के साथ किसी तरह के परामर्श में तो नहीं, बहरहाल आलोचना के तीखे होते स्वरों के सामने चुनाव आयोग ने इस कसरत को जरूरी साबित करने की कोशिश की है। लेकिन, चुनाव आयोग द्वारा दी गयी दलीलें इतनी लचर हैं कि खुद चुनाव आयोग के अधिकारीगण जहां-तहां मैदानी स्तर पर इस फैसले की जरूरत बताते हुए, अक्सर 'पहले नागरिकता तय करने' की दलील में खिसक जाते हैं, जो कि जाहिर है कि चुनाव आयोग का काम नहीं है और जिससे चुनाव आयोग अगर सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने फैसले का बचाव करते हुए, अपना दामन ही नहीं छुड़ा ले तो ही आश्चर्य की बात होगी। एक और प्रमुख कारण, जिसका जिक्र चुनाव आयोग के मुंह से निकल गया है, हालांकि इसे भी आयोग द्वारा अब ढांपने की कोशिश की जाएगी, बिहार से रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले मेहनतकशों की संख्या करोड़ों में होना है। इन मेहनतकशों का मकान ही बिहार में नहीं होता है, बिहार से, उसकी नियति से उनका जीवंत रिश्ता रहता है, जबकि दूसरे राज्यों के जीवन से, जहां वे रोजी-रोटी के लिए रहते हैं, वे वैसा आवयविक रिश्ता नहीं बना पाते हैं। सामान्य रूप से अपने गृह राज्य में नहीं रहने के आधार पर, उन्हें बिहार के मतदाता की हैसियत से बेदखल करने की आयोग की नीयत, कानून के सामने एक मिनट भी नहीं टिक पाएगी। चुनाव आयोग को यह तय करने का तो अधिकार है कि ये प्रवासी, अगर बिहार में मतदाता हैं तो दूसरे राज्यों में भी मतदाता नहीं बनें, लेकिन उसे यह तय करने का अधिकार नहीं है कि किसी प्रवासी को, अपने गृह राज्य में मतदान करना चाहिए या अपने काम की जगह पर।

अपने इस 'बड़े' निर्णय के बचाव के लिए चुनाव आयोग, एक सरासर अर्द्धसत्य का सहारा लेता है। वह राजनीतिक हितधारकों के साथ किन्हीं 'चार हजार परामर्शों' की बार-बार दुहाई देता रहा है। और इसके साथ ही यह दलील दोहराता आया है कि सभी राजनीतिक पार्टियों ने मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। लेकिन, चुनाव आयोग इन दलीलों के जरिए इस सच्चाई को छुपाने की कोशिश करता है कि न तो किसी भी राजनीतिक पार्टी ने मतदाता सूची के इस तरह के सघन पुनरीक्षण की मांग की थी और न ही आयोग ने किसी भी राजनीतिक पार्टी से इस तरह के पुनरीक्षण को लेकर कोई परामर्श किया था। इसके विपरीत, इस फैसले का राजनीतिक पार्टियों के सिर पर अचानक बम की तरह फोड़ दिया जाना ही, आयोग की नजरों में इस फैसले को बड़ा या साहसिक बनाता था।

नोटबंदी जैसी दूसरी विशेषता तब दिखाई दी, जब चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया वाकई शुरू की। अब वे जमीनी सच्चाइयां उसके सामने थीं, जिन्हें सिर्फ प्रचार के सहारे हवा में नहीं उड़ाया जा सकता था। सबसे बड़ी समस्या, जैसा कि सभी टिप्पणीकार शुरू से ही रेखांकित कर रहे थे, जन्म प्रमाणपत्र समेत उन दस्तावेजों के जुटाए जाने की थी, जो मतदाता के रूप में नामांकन के फार्म के साथ, तीन श्रेणियों में मतदाताओं को अलग-अलग हद तक, जमा कराने थे और 26 जुलाई तक जमा कराने थे। यह साफ होने में जरा भी देर नहीं लगी कि करोड़ों मतदाताओं के लिए, जिनमें गरीब भूमिहीन तथा गरीब किसान, मजदूर, प्रवासी मजदूर, कम पढ़े, निचली मानी जाने वाली जातियों के लोगों और महिलाओं की संख्या खासतौर पर बड़ी होगी, आवश्यक सार्टिफिकेट जमा करना ही नहीं, तस्वीर से युक्त फार्म भरकर जमा कराना भी, कठिन परीक्षा होगी।

पहले पग पर इस कठिनाई के सामने पहले चुनाव आयोग की ओर से नया स्पष्टीकरण दिया गया कि 2003 की मतदाता सूची में जिनका नाम है, उनके लिए तस्वीर के साथ फार्म के साथ, सिर्फ मतदाता सूची के संबंधित अंश की फोटो कापी देना ही काफी होगा। फिर और स्पष्टीकरण आया कि 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं हैं, उनके माता-पिता का नाम अगर उक्त मतदाता सूची में है, तो उनके जन्म प्रमाणपत्र की जगह, मतदाता सूची के संबंधित अंश की फोटो कापी लगाना काफी होगा। इसके बाद भी, जब मुश्किलें कम नहीं हुईं तो चुनाव आयोग की ओर से कह दिया गया कि पहले सिर्फ फार्म भरकर जमा कराया जाए, भले ही उसमें तस्वीर भी नहीं हो। बाकी दस्तावेजों को बाद में देखी जाएगी।

लेकिन, जब राजनीतिक पार्टियों ने इसे चुनाव आयोग की ओर से कठिनाइयों को देखते हुए, नियमों में बदलाव करने की कोशिश बताया गया, जो बेशक उनके हिसाब से स्वागतयोग्य और जरूरी थी, तो चुनाव आयोग का ईगो आगे आ गया और उसने तीसरी विशेषता का प्रदर्शन शुरू कर दिया। चुनाव आयोग ने दावा करना शुरू कर दिया कि उसने नियमों में कोई बदलाव नहीं किये हैं। सारे नियम ज्यों के त्यों हैं। कुछ भी नहीं बदला है। दस्तावेज बाद में लगाए जा सकते हैं, कच्ची सूची बनने के बाद, कच्ची सूची की समीक्षा के दौर तक। इस तरह, एक ओर चुनाव आयोग जो पहले दस दिन में एक करोड़ से थोड़े से ज्यादा फार्म ही जमा कर पाया है, बाकी प्रमाणों की शर्त स्थगित करने के जरिए, एक महीने की तय अवधि में प्रकट विफलता से बचने की कोशिश कर रहा है और दूसरी ओर, यह दावा किया जा रहा है कि आयोग ने नियमों में कोई छूट नहीं दी है, बस अब दस्तावेज बाद में लिए जा सकेंगे। यानी दस्तावेजों की उपलब्धता की जो करोड़ों मतदाताओं की समस्या है, उसे सिर्फ कुछ हफ्तों के लिए टाला भर गया है।

इस तरह, जहां पहले ही गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर इतने सारे भ्रम तथा कन्फ्युजन हैं, उसके संबंध में भ्रमों की धुंध और गहरी की जा रही है। इस धुंध की आड़ में, मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर, नागरिकता के प्रमाण मांग कर एक हद तक एनआरसी थोपी जा रही होगी और करोड़ों भारतीयों का मताधिकार छीना जा रहा होगा और दूसरी ओर, चुनाव आयोग यह कहकर खुद को इसके लिए जिम्मेदारी से भी बचा रहेगा, उसने तो सिर्फ गहन पुनरीक्षण का, मतदाता सूचियों की साफ-सफाई का काम किया है। अब तो सर्वोच्च न्यायालय ही चुनाव आयोग को जनतंत्र पर यह बड़ा आघात करने से रोक सकता है। याद रहे कि यह खेल शुरू भले बिहार से किया गया है, आने वाले दिनों में पूरे देश को इस छद्म एनआरसी से गुजरना पड़ेगा, बशर्ते सुप्रीम कोर्ट इस सिलसिले पर रोक नहीं लगा दे।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

विनाश को विस्तार देते युद्ध!

■ कुमार प्रशांत

आजकल की राजनीतिक शैली में बात कुछ ऐसी बना दी गई है कि देश के बारे में, फौज के बारे में, युद्ध के बारे में, देश की सुरक्षा के बारे में कुछ भी न बोलो, न पूछो, न सोचो! पहलगाम के बाद तमाम विपक्ष ने कह दिया कि हम सरकार के साथ हैं। यह घबराई हुई, जड़विहीन, राजनीतिक दृष्टि से कायर विपक्ष की सोच है। संकट का आसमान रचना और फिर उस आसमान में अपने शिकार करना सरकारों का पुराना हथकंडा है। ऐसे में विपक्ष की एक ही भूमिका होनी चाहिए कि हम हर हाल में देश के साथ खड़े रहेंगे। हमारी इस भूमिका से सरकार को जितनी मदद, जितना समर्थन मिलता है, उससे हमें एतराज़ भी नहीं है, लेकिन सरकार की आंखों से हम देखें, सरकार के कानों से हम सुनें तथा सरकार के पांवों पर हम चलें, यह कैसे हो सकता है? यह तो बौनों का बला का संकट है और इससे घिरा हमारा विपक्ष बौने-से-बौनातर हुआ जा रहा है।

तीन दिन के युद्ध के बाद, गंभीर चर्चा व समीक्षा की हर संभावना को खत्म करते हुए प्रधानमंत्री ने संसदीय विपक्ष की आवाजों को चुन-चुन कर विदेश-यात्रा पर भेज दिया। कहा कि विश्व मंच पर भारत सरकार का पक्ष अच्छी तरह रखने का राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की चुनौती है, सो आप सब तैयार हो जाएं। आख़िर पाकिस्तान को जवाब देना है न! कहने की देर थी कि सभी तैयार हो गए। किसी ने नहीं कहा कि हमें अपनी पार्टी की सहमति लेनी पड़ेगी! जब राष्ट्रीय कर्तव्य निभाना हो, तो पार्टी की क्या बात है। पार्टी से राष्ट्र बड़ा होता है कि नहीं! नतीजे में जहां, जिसे, जैसा मौका मिला, उसने वहां, वैसा सरकार का पक्ष रखा। लौटने पर सबने पाया कि वे तो विदेश से लौट आए हैं, लेकिन उनकी आवाज कहीं विदेश में ही रह गई है। आज हमारे संसदीय विपक्ष के पास न चेहरा है, न आवाज़!

> तीन दिन के युद्ध के बाद, गंभीर चर्चा व समीक्षा की हर संभावना को खत्म करते हुए प्रधानमंत्री ने संसदीय विपक्ष की आवाजों को चुन-चुन कर विदेश-यात्रा पर भेज दिया। कहा कि विश्व मंच पर भारत सरकार का पक्ष अच्छी तरह रखने का राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की चुनौती है, सो आप सब तैयार हो जाएं। आख़िर पाकिस्तान को जवाब देना है न!

जब विपक्ष के ऐसे हालात हों और सत्तापक्ष के भीतर सत्ता-सुख व अहंकार के अलावा कुछ हो ही नहीं, तो यह सवाल कौन पूछे कि अंगुलियों पर गिने जाने जैसे आतंकवादी हमारी सीमा में घुस आए और उन्होंने हमारे 26 नागरिकों की हत्या कर दी, इतने से सारा देश कैसे खतरे में आ गया? पहलगांव में घुस आए आतंकवादियों व उन नागरिकों की हत्या से देश खतरे में नहीं आया था, बल्कि वह खतरे में इसलिए आया कि आप कश्मीर की सीमा की सुरक्षा में विफल रहे। केंद्र सरकार की सीधी निगरानी में जो कश्मीर है, चोर उसकी दीवार में सेंध लगा लेता है तो यहां खतरा आपका निकम्मापन है। खतरा यहां है कि आप उस आतंकी कार्रवाई का जवाब देने के लिए ऐसा रास्ता अख्तियार करते हैं जो काइंया अंतरराष्ट्रीय शक्तियों को अपना खेल खेलने के लिए उकसाता है।

अलबत्ता, सच भी कहीं-न-कहीं से अपना सर उठा ही लेता है। हमारे वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह और बाद में 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' जनरल अनिल चौहान की बात ऐसी नहीं है कि हम उसे नजरंदाज करें। वे कह रहे हैं कि तीन दिनों का यह युद्ध दोनों तरफ़ को बेहद नुक़सान पहुंचा गया है। पाकिस्तान का नुक़सान ज्यादा हुआ है, लेकिन उसने हमारा जितना नुक़सान किया है, वह स्थिति को ख़तरनाक बनाता है। पाकिस्तान ने हमारे विमान भी गिराए और सैनिक अड्डों को भी नुक़सान पहुंचाया। यह युद्ध रुकना ही चाहिए था, क्योंकि इस युद्ध से हासिल कुछ नहीं हो सकता था। परिस्थिति का यह आकलन व अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का दबाव हमें युद्धविराम तक ले आया।

हमें यह सच्चाई समझनी चाहिए कि हथियार के व्यापारियों से खरीद-खरीदकर जो जखीरा हम भी और पाकिस्तान भी जमा करता रहता है, वह हर देश को करीब-करीब एक ही धरातल पर ला खड़ा करता है। इसलिए आज की दुनिया में कोई लड़ाई अंतिम तौर पर किसी को जीत नहीं दिलाती, बल्कि विनाश ही आज के युद्ध का सच है। रूस-यूक्रेन का दो बरस से ज्यादा लंबा युद्ध कौन जीत रहा है? दोनों बर्बाद हो रहे हैं। अमेरिका व यूरोप की फौजी मदद से लड़ रहा यूक्रेन और हथियारों का अकूत जखीरा रखने वाला रूस-दोनों का दम फूल रहा है। दोनों का देश बर्बाद हो रहा है। फौजी भी मारे जा रहे हैं, नागरिक भी; शहर-गांव-कस्बे सब मलबों में तब्दील हो रहे हैं। ऐसे में आप जीत-हार की बात क्या पूछेंगे!

पूछने वाला सवाल यही है कि बताइए, कितना विनाश हो चुका है और कितना विनाश करके आप रुकेंगे? इजरायल ने ईरान पर हमला कर किया क्या? या फिर ट्रंप ने वहां अपनी नाक घुसेड़ कर क्या किया? आप सोचिए, अगर ईरान ने अमेरिका पर हमला बोला तो क्या होगा? जीत या हार? नहीं, ऐसा कुछ नहीं होगा। विश्वयुद्ध भी नहीं होगा, वैश्विक विनाश होगा – शायद वैसा, जैसा दुनिया ने अब तक देखा नहीं है।

कोई आश्चर्य नहीं कि देश में आज एक ही विपक्ष राहुल गांधी बचा है, लेकिन इस एक आदमी का विपक्ष भी हर कदम पर ठिठकता, भटकता और असमंजस में पड़ा दिखाई देता है। यह इसलिए कि वह हर तरफ़ से अकालग्रस्त है – अकाल संख्या का नहीं, प्रतिभा, प्रतिबद्धता का अकाल है! किसी भी नेता के लिए निर्णायक भूमिका निभाने या उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए कुछ आला सहकर्मियों की ज़रूरत होती है। ऐसे सहकर्मी बने-बनाए नहीं मिलते, बनाने पड़ते हैं। राहुल के पास वे नहीं हैं, क्योंकि अब तक का अनुभव बताता है कि उन्हें ग़लत सहकर्मियों को चुनने में महारत हासिल है।

हिंसा में से वीरता तो पहले ही निकल चुकी है, अब युद्ध में से जीत-हार भी निकल गई है। बची है विशुद्ध हैवानियत- क्रूरता, अश्लीलता और अपरिमित विनाश! कोई राहुल गांधी यदि पूछता है कि बताइए, तीन दिनों के इस युद्ध में हमारा कितना नुक़सान हुआ, कितने विमान गिरे, कितने जवान मरे तो यह देशभक्ति की कमी या अपनी सेना की क्षमता पर भरोसे की कमी जैसी बात नहीं है। यही सवाल है जो पाकिस्तान में भी पूछा जाना चाहिए, इजरायल में भी, यूक्रेन और गाजा व ईरान में भी। आज किसी भी कारण जो जंग का रास्ता चुनते हैं या जबरन किसी को जंग में खींच लाते हैं उन सबके संदर्भ में यही सबसे अहम सवाल है जो आंखों में आंखें डालकर पूछा जाना चाहिए। लेकिन पूछे कौन? जिस विपक्ष की ज़ुबान खो गई है वह पूछे भी तो कैसे?

(लेखक गांधीशांति प्रतिष्ठान केअध्यक्ष हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

यात्रा वृतांत: कुछ इंदौर, कुछ उज्जैन

'हमें इंदौर एक दिन रुककर उज्जैन जाना था। मित्रों ने प्रसन्नता के साथ सूचित किया- कोई परेशानी नहीं, बस पचास किलोमीटर तो है, एक घंटे में पहुंच जाएंगे। कोई हड़बड़ी मत कीजिए। हमने उनकी बात मान ली। शहर से निकलकर हाईवे तक आने में जो भी समय लगा हो, उसके बाद तो चालीस-पैंतालीस मिनट में सफर तय हो गया। शहर के भीतर एक एक्सप्रेस-वे है इस पर टोल टैक्स का नाका पड़ता है। हमारे टैक्सी ड्राइवर ने टोल नहीं पटाया। उसने बताया कि यह नाका अवैध रूप से चल रहा है। सरकार इसे बंद कर चुकी है। इंदौर वाले इस बात को जानते हैं, लेकिन बाहर की नंबर प्लेट देखकर नाकेदार वसूली कर लेते हैं। उसने भाजपा के एक बड़े स्थानीय नेता का नाम लिया कि अवैध वसूली में चालीस परसेंट हिस्सा उनको जाता है। उन नेता की शहर में और कहां-कहां हिस्सेदारी है, क्या-क्या जमीन-जायदाद हैं, यह रहस्योद्घाटन भी उसने किया। एक तरफ इंदौर की सड़कों की स्वच्छता, दूसरी तरफ राजनीति की मलीनता, दो विरोधाभासी तथ्य उजागर हुए। लेकिन टैक्सी ड्राइवर ने जो बात बताई वह तो आज की कड़वी सच्चाई है और सर्वव्यापी है। इसकी सफाई कैसे होगी, पता नहीं।'

(देशबन्धु में 29 जून 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/06/blog-post_28.html

पावन प्रसंग

कर्मों की अभिव्यक्ति

चलते रहने से ही व्यक्ति मंजिल तक पहुंच पाता है। भाग्य के भरोसे बैठे रहने से मंजिल तक नहीं पहुंचा जा सकता है। इसलिए भाग्य को नहीं, कर्म को प्रधान कहा गया है। कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ के द्वारा ही हम जीवन में सफल और सुखी हो सकते हैं। परिश्रम और पुरुषार्थ करने के बजाय आलसी, अकर्मण्य और निष्क्रिय बने रहना और भाग्य के भरोसे बैठे रहने वाले लोगों को जीवन में निराशा और असफलता ही हाथ लगती है। अस्तु हमें सदैव सच्चाई और पुरुषार्थ के पथ पर सक्रिय रहना चाहिए और चलते रहना चाहिए, क्योंकि कर्मरूपी पथ पर चलते रहने से ही मंजिल प्राप्त होती है। समस्त शास्त्रों में कर्म को ही प्रधानता दी गई है, कर्म करने को ही महत्वपूर्ण माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म करने, युद्ध करने, स्वधर्म पालन करने का ही उपदेश दिया था। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अभी युद्ध करना ही तुम्हारा धर्म है, कर्म है। तुम कर्मरूपी धर्म का पालन करो। तुम युद्ध करो, पर युद्ध के परिणाम की चिंता, अपने कर्मों को मुझे अर्पित करते रहो।

कर्म भाग्य के अधीन नहीं, बल्कि भाग्य कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने के बजाय अगर हम हाथों से कर्म करें, पुरुषार्थ करें तो हम जो कुछ चाहें, वह प्राप्त कर सकते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में कहा है-

करम प्रधान बिस्व करि राखा।
जो जस करई सो तस फलु चाखा।।
सकल पदारथ है जग माही।
कर्महीन नर पावत नाही।।

अर्थात विश्व में कर्म को ही प्रधान कहा गया है। जो जैसा कर्म करता है. वह वैसा ही फल भोगता है। इस संसार में हर वस्तु उपलब्ध है और हम जो भी पाना चाहें उसे कर्म करके, पुरुषार्थ करके ही प्राप्त कर सकते हैं, पर जो कर्महीन हैं अर्थात जो कर्म नहीं करते, प्रयास नहीं करते वे उसे प्राप्त नहीं कर पाते।

नीतिशास्त्र में भी कहा गया है- यदि सिंह शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। सिंह को यदि भूख मिटाना है तो उसे आलस्य त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। उसी प्रकार हमें जीवन में यदि कुछ पाना है उसके लिए हमें तद्नुरूप कर्म, प्रयास करना ही होगा, पर इसके साथ ही महत्वपूर्ण यह भी है कि हमारा प्रयास सही दिशा में होना चाहिए, सफलतारूपी साध्य की प्राप्ति के लिए साधन भी पवित्र होना चाहिए। शुभ कर्म ही शुभ परिणाम दे सकता है और अशुभ कर्म हमेशा अशुभ परिणाम ही लेकर आता है। जैसे बबूल बोने पर बबूल ही प्राप्त होता है और आम बोने पर ही आम ही प्राप्त होता है। शुभ कर्म करना बहुत अच्छा है, पर शुभ कर्म का जन्म भी शुभ विचारों से ही होता है। इसलिए हमें अच्छे कर्मों से सुखद और अच्छे प्रारब्ध अच्छे भाग्य का निर्माण होता है, वहीं बुरे कर्मों से दुखद और बुरे प्रारब्ध और भाग्य का निर्माण होता है। जीवन में मिलने वाले सुख-दुख वे कर्मों का ही फल है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

क्या समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का संघ सबसे बड़ा शत्रु है?

महत्वपूर्ण बात ये है कि यदि भाजपा को समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष दलों और सत्ता लोलुप कांग्रेसियों का साथ न मिला होता तो संघनीत भाजपा कभी भी सत्ता के करीब नहीं पहुंच सकती थी। आज भी भाजपा जेडीयू नीतीश कुमार जैसे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष तेलुगु देशम प्रमुख चंद्राबाबू नायडू की बैसाखियों के दम पर ही सत्ता पर काबिज़ है।

इधर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले का हालिया बयान कि आपातकाल के दौरान संविधान में जोड़ा गया समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द को हटाए जाने पर विचार करना चाहिए, ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। ठीक वैसे ही जैसे पिछले बिहार विधानसभा चुनाव के पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कहना कि आरक्षण की व्यवस्था पर पुनर्विचार करना चाहिए। इन दोनों बयानों को नए राजनीतिक संदर्भ में संघ परिवार की संविधान बदलने की मंशा से जोड़ा जाना लगभग तय है।

किंतु, जैसा कि पूर्ववत लिखा जा चुका है कि संघ और भाजपा बिना समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के बिना जीवित नहीं रह सकते हैं। हालांकि उनकी मंशा मनुवादी समाज की स्थापना ही है किंतु भारत जैसे विशाल देश में यह असंभव है इसलिए भागवत जी, सभी के एक डीएनए की बात करते हैं तथा दलित पिछड़ी जातियों को दोयम दर्जे से बाहर निकालने पर जब तब जोर देते हैं और अखंडता, एकता, समानता की बात कहते हैं। किंतु कथनी करनी का फ़र्क सबको नज़र आने लगा है कि इनके इरादे नेक नहीं है।

आज होसबोले को संघ का अपना इतिहास भी टटोलना चाहिए जब जनसंघ ने जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष नेता के साथ मिलकर इमरजेंसी के बाद कांग्रेस से सत्ता छीनी थी। उसमें मधुलिमिये और जार्ज फर्नांडीज जैसे समाजवादी लोग थे। तब कांग्रेस से निकले मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने थे। याद कीजिए, 1977 में चुनाव घोषित हो जाने के बाद, कांग्रेस (ओ), स्वतंत्र पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय जनसंघ और लोकदल के मिलन से जनता पार्टी का गठन हुआ। कांग्रेस छोड़कर आए जगजीवन राम, हेमवतीनंदन बहुगुणा और नंदिनी सत्पथी ने कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी का गठन किया और जनता गठबंधन में शामिल हो गए।

यही हाल अटल बिहारी जी की सरकार में रही जब भाजपा के साथ,शिवसेना, तेलगु देशम, अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,जनता दल यूनाइटेड ,जदयू, आरजेडी, बीजेडी, नेशनल कांफ्रेंस, शिरोमणि अकाली दल, हरियाणा विकास पार्टी, लोकशक्ति, मद्रास स्टेट मुस्लिम लीग,तमिल मनीला कांग्रेस,केरल कांग्रेस, मर्केस्टिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया,ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस,जम्मू एंड कश्मीर पैंथर्स पार्टी,जनतादल (सेक्युलर), राष्ट्रीय लोकदल, भारतीय मजदूर संघ,भारतीय किसान संघ,स्वदेशी जागरण मंच एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जैसे चौबीस दल एनडीए में शामिल थे। इनमें बहुसंख्यक दल समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर थे तो ऐसे चली थी संघनीत तथाकथित एनडीए सरकार। ये बात और है कि दो बार झूठ और छल से भाजपा पूर्ण बहुमत से भी आई 2014 में संघ के अन्ना हजारे और छिपे संघियों ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप का धुआंधार प्रचार कर पूंजीपतियों के धन के ज़रिए कराकर मात्र 31 प्रतिशत वोट हासिल कर सरकार बनाई। आज समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने का शोर बहुत है किंतु यह संघ का एक शिगूफा ही है। उसमें फिलहाल ऐसा कुछ करने का साहस नहीं है।

सुसंस्कृति परिहार

सार-समाचार

विहिप और बजरंग दल प्रखंड की बैठक संपन्न

सिलवानी, देशबन्धु। विश्व हिन्दू परिषद्व बजरंग दल प्रखंड की बैठक संपन्न हुई। बैठक दो सत्रों में की गई। जिसमें प्रथम सत्र में महेश नामदेव प्रांतीय सदस्य, नीरज जोशी जिला धर्मप्रसार प्रमुख एवं दूसरे सत्र में जिला मंत्री बलवंत सिंह ठाकुर और जिला सह संयोजक राहुल नामदेव ने बैठक में आगामी कार्यक्रम की योजना की चर्चा की। जिसमें प्रखंड समिति सम्मेलन, बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा, अखण्ड भारत संकल्प दिवस, एवं स्थापना दिवस के विषय पर योजना बनाई गई। बैठक में प्रखंड संयोजक राघवेंद्र कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष अनिकेत पुरिया, प्रखंड से सहसंयोजक सुशील सोनी, प्रखंड सह मंत्री हरदयाल मेहरा, नगर अध्यक्ष राजकुमार मेहरा, विजय नामदेव, विद्यार्थी प्रमुख लकी कुलकर्णी, भविष्य साहू, अर्जुन आर्य, जितेन्द्र बंसल, रिक्की मेहरा संदीप कुशवाह, बिनित कुशवाह, नितेश कुशवाह, अंकेश ठाकुर, पंबन ठाकुर, आकाश एवं दुर्गावाहिनी से रिया सोनी को प्रखंड संयोजिका का दायित्व दिया गया ।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले को प्रदेश में मिला द्वितीय स्थान

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 30 मार्च से 30 जून तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में 2500 से अधिक खेत तालाब एवं 23 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य कराया गया । इनके निर्माण से 5000 एकड से अधिक भूमि सिंचित हुई। 1600 से अधिक कूप रिचार्ज पिट का निर्माण कराया गया जिससे पूर्व से निर्मित कूपों में जल भराव अधिक होने से किसान दोनों फसलों में सिचाई कर सकेंगे। इन कार्यों को नवीन तकनीकॅप्ल्प् एप के माध्यम से चिन्हांकित किया गया। अभियान के दौरान बेतवा के उदगम स्थल पर बेतवा को पुर्नजीवित कर, अविरल धारा प्रवाहित हेतु प्रयास किये गये। 15000 से अधिक जलदूतों का पोर्टल पर पंजीयन कराकर, प्रशिक्षण कराया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में साफ सफाई एवं जल संरक्षण के कार्य भी कराये गये। इस हेतु जिले को राज्य स्तर से ग्रेडिंग में प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जानकारी देते हुये बताया कि रायसेन जिले में जिला कलेक्टर के मार्ग दर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना से जल संरक्षण के कार्य कराये गये । जिले में जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान हुए महत्वपूर्ण कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में 2500 से अधिक खेत तालाबों का हुआ निर्माण, 1690 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण, 23 अमृत सरोवर हुए स्वीकृत किये गये। अभियान के दौरान मनरेगा के तहत 1000 से अधिक जल संग्रहण के कार्यो को भी पूर्ण कराया गया है। अभियान के दौरान जिले के झिरी ग्राम में स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुर्नजीवित किया गया, जो कि जिले में हुए महत्वपूर्ण कार्यो में से एक हैं। जिले में स्थित अन्य नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करने के कार्य कराये गये।

सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन जिले की सभी सातों जनपद पंचायतों में कुल 2500 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है। जिससे एक ओर जहां बारिश का जल संग्रहित हो सकेगा, वहीं किसानों को भी सिंचाई के लिए जल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त 1687 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है। जिले की बाड़ी जनपद पंचायत में 329 खेत तालाब, बेगमगंज जनपद पंचायत में 509 खेत तालाब, गैरतगंज जनपद पंचायत में 354 खेत तालाब, औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में 213 खेत तालाब, सांची जनपद पंचायत में 366 खेत तालाब, सिलवानी जनपद पंचायत में 490 खेत तालाब और उदयपुरा जनपद पंचायत में 302 खेत तालाबों के निर्माण कार्य स्वीकृत कराये गये। इसी प्रकार जिले की सभी जनपद पंचायतों में 1687 कूप रीचार्ज पिट का भी निर्माण कराया गया है।

बारिश में जलमग्न कॉलोनियां, घरों में कैद हो गए रहवासी

कॉलोनाइजरों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे यहां के निवासी

सिलवानी, देशबन्धु। नगर में हो रही मूसलाधार बारिश ने कॉलोनाइजरों और प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। राय कॉलोनी और सिद्धार्थ सिटी जैसे कथित रूप से विकसित कॉलोनियों में रहने वाले सैकड़ों परिवार इन दिनों कीचड़ जलभराव और अव्यवस्थाओं के दलदल में फंसे हैं। कॉलोनियों में न तो पक्की सड़कें हैं न ही जल निकासी की व्यवस्था जिससे मामूली बारिश में भी घरों के सामने नदियां बहने लगती हैं। हालत यह है कि लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं बच्चों का स्कूल जाना और दफ्तर पहुंचना भी मुसीबत बन गया है।

राय कॉलोनी निवासी पूजा साहू ने बताया एजेंट वसीम खां ने वादा किया था कि कॉलोनी में सड़क बिजली पार्क सीवेज जैसी तमाम सुविधाएं होंगी, लेकिन बारिश होते ही कीचड़ और गंदगी घरों में घुस जाती है। वहीं सिद्धार्थ सिटी के अमित रघुवंशी और कमलेश साहू ने बताया कि एजेंट राजकुमार चौरसिया राजू शिक्षक ने आधुनिक कॉलोनी का सपना दिखाया था लेकिन 10 साल में एक नाली तक नहीं बनी।

प्रशासन मौन: शिकायतें नगर परिषद और अन्य अधिकारियों तक कई बार पहुंचाई गईं लेकिन न तो कॉलोनाइजर पर कोई सख्त कार्रवाई हुई न ही किसी प्रकार का सुधार कार्य शुरू किया गया। चंद्रकला धुर्वे ने बताया कि

प्लॉट लेते समय 6 महीने में सुविधाएं देने की बात कही गई थी, लेकिन दो साल में सिर्फ कीचड़ और जलभराव मिला।

जनता का सवाल किससे कहें अपनी परेशानी

रोजमर्रा की ज़रूरतें बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा सब कुछ इन कॉलोनियों में दांव पर लगा है। लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। न सड़क है न नाली न बिजली और न ही कोई सुनने वाला। कॉलोनीवासियों ने मांग की है कि जिन एजेंटों और कॉलोनी मालिकों ने झूठे वादों से जनता को गुमराह किया है उनके खिलाफ सिलवानी पुलिस थाने में आपराधिक मामला दर्ज किया जाए और कॉलोनियों को नगर परिषद या विकास प्राधिकरण के अधीन लेकर वहां बुनियादी सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं।

इनका कहना है

कॉलोनीयो में अव्यवस्थाओं के मामले में जांच करा कर नोटिस जारी किया जायेगा। जांच उपरांत कॉलोनाइजर के खिलाफ नियम अनुसार कार्रवाई की जायेगी वही ही शिक्षक राजू चौरसिया द्वारा सिद्धार्थ सिटी कॉलोनी के एजेंट बनकर प्लाट बेचने की जानकारी प्राप्त हुई है विभाग को पत्र लिखकर जांच कराकर वैधानिक कार्रवाई की जायेगी ।

पीसी शाक्य, अनुविभागीय अधिकारी तहसील सिलवानी

रहवासियों ने बताई व्यथा

अमित रघुवंशी सिद्धार्थ सिटी: मेरा मकान है सिद्धार्थ सिटी के एजेंट राजकुमार चौरसिया राजू के द्वारा ज यहां पर प्लाट ले लिया था सब सुविधायुक्त कॉलोनी होने की बात कही थी लेकिन हमको उनके द्वारा ठग लिया गया है।

पूजा साहू राय कॉलोनी निवासी: जब हमने प्लांट लिया था तब कॉलोनी के एजेंट वसीम खां ने हमको बताया था कि कॉलोनी में बिजली सड़क पानी की व्यवस्था दी जाएगी लेकिन आज तक कोई भी व्यवस्था नहीं दी गई है।

चंद्रकला धुर्वे राय कॉलोनी निवासी: एजेंट वसीम खान के द्वारा हमने इस कॉलोनी में प्लांट पर लिया था उनके द्वारा हमको बताया गया था कि कॉलोनी को सर्व सुविधायुक्त बनाएंगे लेकिन कोई भी व्यवस्था हमको नहीं दी गई है हमारे मकान के सामने पानी भरा रहता है जिस मकान के अंदर आने जाने में हमको बड़ी परेशानी होती है।

कमलेश साहू सिद्धार्थ सिटी: नया बस स्टैंड के पीछे सिद्धार्थ सिटी में मेरा मकान है । जब हमने प्लांट लिया था तब कॉलोनी के एजेंट राजकुमार चौरसिया राजू शिक्षक ने हमको बताया था कि सर्व सुविधा युक्त कॉलोनी आपको दी जाएगी लेकिन उनके सारे वादे झूठे लेकिन कॉलोनी में कोई व्यवस्था नहीं की गई है हमको काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हॉलिस्टिक एकेडमी का हुआ भव्य शुभारंभ

सिलवानी, देशबन्धु। पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह द्वारा हॉलिस्टिक एकेडमी का शुभारंभ रविवार को फीता काटकर एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह ने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि एकेडमी सिलवानी की नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाए। इस शुभ अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम साहू नगर परिषद अध्यक्ष रेशु नायक भाजपा नेता विभोर नायक वरिष्ठ भाजपा नेता संजय मस्ताना मिलन जैन रघुवीर साहू वरिष्ठ नागरिक रामस्वरूप श्रीवास्तव रत्ना शुक्ला संतोष केवट गौरव मेहरा दीपेश गौर एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। एकेडमी के डायरेक्टर सत्यपाल केवट ने बताया कि एकेडमी में विशेष रूप से नवोदय/सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा, 8वीं, 10वीं,11वीं 12वीं आदि कक्षाओं की तैयारी विषय विशेषज्ञों द्वारा कराई जाएगी जिसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुके हैं। फोटो-3

पुलिस ने हत्या के आरोपी को 12 घंटे में किया गिरफ्तार

बाड़ी, देशबन्धु। वार्ड क्रमांक 6 एमपी कॉन्वेंट स्कूल के पास शनिवार की रात हुई हत्या में मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिग है। मृतक रचित के पिता पप्पू आदिवासी ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मेरा बड़ा लड़का रजित ठाकुर 5 जुलाई को शाम 6 बजे घर से अपनी पल्सर मोटर साइकिल एमपी04-ZZ-8504 से बाजार जाने का बोलकर निकला था जिसे रात्रि 8बजे मैंने मोबाइल लगाया तो रजित बोला अभी थोड़ी देर से आ रहा हूं। मैंने करीब 10.00 बजे रात्रि को फिर से फोन लगाया तो रजित का मोबाइल बंद आ रहा था। फिर मैं सो गया था।

सुबह करीबन 7.30 बजे मुझे खबर मिली की एमपी कान्वेंट स्कूल के पीछे वाले गेट के पास रोड पर रजित पड़ा है। मैंने आकर देखा तो मेरा लड़का रजित मृत अवस्था पड़ा था तथा उसके सिर में दाहिने तरफ एवं पेट व सीने पर कई जगह कटे हुए घाव दिखाई दे रहे थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी है। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर धारा 103(1) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसडीओपी अदिति बी सक्सेना ने बताया कि मामले की जांच शुरू की तो मामले का पर्दाफाश हो गया और नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस आरोपी पर पूर्व में भी थाने में प्रकरण दर्ज है।

गुलगांव में मोहर्रम पर निकले ताजिए

सांची, देशबन्धु। मोहर्रम के पावन अवसर पर सांची से लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित ग्राम गुलगांव में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी ताजिया जुलूस, सवारियों का प्रदर्शन और अखाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम में सभी समुदायों के लोगों की सहभागिता देखने को मिली, जिससे सामाजिक सौहार्द और एकता की मिसाल कायम हुई। गांव में सातवीं मोहर्रम से लेकर ग्यारहवीं मोहर्रम तक यह कार्यक्रम पारंपरिक और गमगीन माहौल में मनाया गया। मुस्लिम समाज में मोहर्रम का महीना शोक और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है, जिसमें हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मातमी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस मौके पर निकाले गए ताजिए और सवारियों ने लोगों का ध्यान खींचा। साथ ही आयोजित अखाड़ा कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने अपने करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा गांव मातमी माहौल में डूबा रहा, लेकिन उत्साह और सहभागिता में कोई कमी नहीं थी। इस कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के अलावा गांव के जाने माने समाज सेवी 72 वर्षीय गौरीशंकर जैन अहम भूमिका निभाते दिखाई देते है ।

मोहर्रम के इन कार्यक्रमों को देखने के लिए न केवल गुलगांव, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और सांची नगर से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ग्रामवासियों के सहयोग और प्रशासन की सतर्कता के चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी, जिससे किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न न हो। उल्लेखनीय है कि पूरे क्षेत्र में गुलगांव ही ऐसा प्रमुख ग्राम है, जहां मोहर्रम का आयोजन इस स्तर पर पारंपरिक रूप से मनाया जाता है। यह कार्यक्रम देर रात तक जारी रहता है।

निर्वाचक नामावली तैयार करने बीएलओ को दिया प्रशिक्षण

देवास, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के बूथ लेवल अधिकारियों के लिये राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बीएलओ को नामावली से संबंधित विधिक प्रावधान तथा निर्वाचक नामावली को तैयार करने संबंधी प्रक्रिया, मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वे कर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करने, मृत/ स्थानांतरित/ दोहरी प्रविष्ठि वाले मतदाताओं के नाम नामावली से हटाने की प्रक्रिया, नामावली के संदर्भ में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंट से संबंधित समस्त प्रक्रिया का प्रशिक्षण बीएलओ को दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 171- देवास एवं 172- हाटपीपल्या के बीएलओ को शासकीय कन्या महाविद्यालय देवास में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीएलओ प्रशिक्षण 11 जुलाई तक चलेगा।

प्रशिक्षण में बीएलओ एप, वोटर हेल्पलाईन एप, नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल की तकनीकी की बारिकियों से भी कराया जा रहा है। बीएलओ को प्रशिक्षण राज्य स्तर से मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन के लिए परीक्षा भी आयोजित होगी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 170-सोनकच्छ, 173-खातेगॉव एवं 174-बागली के बीएलओ को 14 से 17 जुलाई तक विधानसभा स्तर पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

झमाझम बारिश से अधिकतर सड़कें पानी से लबालब

सांची, देशबन्धु। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने नगर का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। नगर की अधिकतर सड़कें पानी से लबालब हैं और जगह-जगह बने गड्ढों ने राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। नालों के अधूरे निर्माण और सड़कों पर फैली मिट्टी ने कीचड़ का रूप लेकर स्थिति को और भी बदतर बना दिया है।

प्रशासन को हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश के साथ ही पेयजल पाइपलाइन फूटने और उसकी मरम्मत की याद आई है। बारिश से पहले शुरू हुए नाला निर्माण की धीमी रफ्तार और अधूरे काम ने जलभराव की समस्या को बढ़ाया है। मिट्टी हटाने के निर्देश तो दिए गए, लेकिन आधा-अधूरा काम लोगों के लिए आफत बन गया। नालियों के किनारे की मिट्टी अब दलदल का रूप ले चुकी है।

नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए नगर परिषद सीएमओ को सख्त निर्देश दिए थे कि सड़कों से तुरंत मिट्टी हटाई जाए। निर्देश के बाद आनन-फानन में मिट्टी हटाने की खानापूर्ति तो हुई, लेकिन सही ढंग से सफाई न होने के कारण राहगीरों को अब भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नाला निर्माण के पहले वाटर प्लांट कंपनी द्वारा घर-घर पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम किया गया था, लेकिन अब उसी पाइपलाइन के बार-बार फूटने से सवाल उठने लगे हैं। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष रेवाराम ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर कार्य में तेजी लाने की कोशिश की है। फिर भी सच्चाई यही है कि भारी बारिश ने नगर में विकास की पोल खोलकर रख दी है।

जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं

नगर के प्रमुख स्थान जैसे स्तूप रोड और अस्पताल परिसर में पानी भरना अब आम बात हो गई है।इसके साथ ही बसस्टैंड परिसर में ब्लॉक तो लगवा दिये गए परन्तु यह ब्लाक भी जगह जगह पानी में डूबे नजर आ रहे है जिससे यहां दुकानदारों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। नगर में देश-विदेश से पर्यटक आते हैं, लेकिन जर्जर और जलमग्न सड़कों से गुजरना न केवल स्थानीय नागरिकों बल्कि पर्यटकों के लिए भी त्रासदी बन चुका है। इस मामले में जब सीएमओ रामलाल कुशवाहा से फोन पर संपर्क करना चाहा तो हमेशा की तरह उन्होंने फोन उठाने की जहमत नहीं की।

हेल्पलाईन शिकायतों और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही की जाए: कलेक्टर

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, शासकीय योजनाओं तथा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अधिक समयावधि तक लंबित ना रहे, शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही की जाए। उन्होंने निम्न गुणवत्ता से निराकृत सीएम हेल्पलाईन और नॉन अटेन्डेन्ट सीएम हेल्पलाईन की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला अधिकारी स्वयं कार्यालय स्तर पर मॉनीटरिंग करें। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराएं।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मूंग खरीदी की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी निर्धारित केन्द्रों पर उपार्जन कार्य प्रारंभ कराते हुए शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार खरीदी कार्य कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पीओ डूडा सहित सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराएं। जिन हितग्राहियों द्वारा किस्त मिलने के बाद भी आवास का निर्माण नहीं कराया जा रहा है उन्हें समझाईश देते हुए कार्य पूर्ण कराएं। उन्होंने पीएम आवास शहरी 2.0 में प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कार्य पूर्ण कराने और जियो टैगिंग प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला कृषि अधिकारी से उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता रहे। साथ ही उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों का सतत् निरीक्षण कर सैम्पल जांच हेतु भेजे जाएं। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एसडीएम, पीओ डूडा, जनपद सीईओ सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों पर गौवंश ना रहे, यह सुनिश्चित कराएं। इसके लिए दल गठित कर नियमित पेट्रोलिंग कराएं और सड़कों पर मिलने वाले गौवंश को समीप की गौशालाओं में छुड़वाएं।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने वन विभाग की समीक्षा के दौरान वन भूमि पर अवैध उत्खनन और परिवहनकर्ताओं के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए अवैध उत्खनन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध परिवहन में प्रयुक्त होने वालों वाहनों को राजसात करने की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला परिवहन अधिकारी से स्कूल बसों की जांच किए जाने संबंधी जानकारी लेते हुए कहा कि कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि जो बसें चलने योग्य नहीं हैं, फिट नहीं हैं ऐसी बसों को बंद करवाएं। उन्होंने एसडीएम को भी स्कूल बसों की जांच किए जाने हेतु निर्देशित किया। बैठक में शिक्षा विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, जल संसाधन, सामाजिक न्याय विभाग, पीएचई सहित अनेक विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

सार समाचार

किसानों ने तहसील पहुंचकर किया प्रदर्शन

सिरोंज, देशबन्धु। ग्राम पंचायत बरेंडा के किसानों ने अपनी जमीन को बचाने के लिए लगाई सरकार से गुहार लगाई है। किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में तहसील पहुंचे किसानों ने किया जोरदार प्रदर्शन किया। करीब आधे घंटे से अधिक समय तक चले इस प्रदर्शन के दौरान किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि ग्राम बरेंडा में यह अहिरवार समाज के लोग तकरीबन 45 साल से शासकीय तहसील की जमीन पर खेती कर रहे हैं। इस जमीन पर इनको पूर्व में कुटीर, शौचालय, शासकीय ट्रांसफार्मर एवं खेती के लिए भी अलग ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं। तकरीबन 40 परिवार अपना गुजर इस जमीन पर कर रहे हैं। विगत दिनों प्रशासन ने एक नोटिस उनके गांव पर चस्पा करके इनको सूचना दी के यह जमीन वन विभाग को हस्तांतरित की जा रही है क्योंकि टैम सिंचाई परियोजना में गई हुई भूमि के बदले में यह जमीन वन विभाग को देना है। इस दौरान सिरोंज जिला बनाओ समिति की ओर से वरिष्ठ एडवोकेट, कपिल त्यागी द्वारा भी एक ज्ञापन इन किसानों के समर्थन में एसडीएम को दिया गया।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार तहसील कमेटी घोषित

सिरोंज, देशबन्धु। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद के निर्देश पर तहसील अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार द्वारा अपनी तहसील कमेटी की घोषणा कर दी जिसमें वाजिद खान मेकेनिक को उपाध्यक्ष, नफीस कुरेशी उपाध्यक्ष,जाकिर खान को महासचिव,हामिद खान को सचिव,मुदीर अहमद को सचिव,मोहम्मद खालिद कुरैशी को सह सचिव,आशु खान को मीडिया प्रभारी,नियुक्त किया गया इस अवसर पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के , जिला महासचिव वाजिद कुरैशी,नगर अध्यक्ष वाहिद गौरी,पत्रकार सईद खान,मोहम्मद फाजिल नट छाप बीड़ी,मोहम्मद अनवार खान,कवि गौरी,डॉक्टर सोहेल अहमद,मोहम्मद सादिक अंसारी,हसीन खान,बब्लू खान, मोहम्मद इस्माइल खान,फारुक़ खान,मोहम्मद हसीन कुरैशी,कामरान ठेकेदार,मोहम्मद शाहज़ेब कुरैशी,अफराज कुरैशी, मोहम्मद शोएब कुरैशी,मोहम्मद साइम अंसारी सहित बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद रहे।

बैरागी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन बसंत पंचमी को

आष्टा, देशबन्धु। अखण्ड वैश्णव बैरागी समाजी द्वारा बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वप्रथम जगद्गुरु रामानंदाचार्य की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर , कार्यक्रम का प्रारंभ किया। बैठक में महंत सिद्धू दास बैरागी सहित महंतों,संतो ने निर्णय लिया की धन,समय की बचत के लिए,समाज में सामूहिक विवाह सम्मेलन किया जाए। सर्वसम्मति से बाबू दास बैरागी को सामूहिक विवाह सम्मेलन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बाबू दास बैरागी ने वक्तव्य में कहा कि आगामी समय में 21 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन किया जाएगा। इस अवसर पर महंत बाबू दास बैरागी नर्पाखेडी, महंत हरि दास बैरागी, डा दुर्गा दास बैरागी , कमल बैरागी मनोहर बैरागी विनोद बैरागी बालू बैरागी गिरजेश बैरागी। अन्त में आभार तहसील अध्यक्ष श्री मुकेश बैरागी पगारिया हाट ने किया।

विधानसभा के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर मनी डॉ. मुखर्जी की जयंती

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की बदौलत ही कश्मीर भारत का अभिन्न अंग : शर्मा

सिरोंज, देशबन्धु। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और कश्मीर आंदोलन के प्रणेता डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती नगर मतदान केंद्रों पर प्रेरणा पूर्वक पर मनाई गई। सिरोंज विधानसभा के चितावर,देवपुर एवं नगर मंडल के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर डॉ मुखर्जी का स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा संगठन ने इस अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ मुखर्जी के व्यक्तित्व के साथ जनसंघ,भाजपा की स्थापना एवं देश की एकता अखंडता के लिए उनके द्वारा दिए योगदान पर कार्यकर्ताओं से चर्चा के लिए भाजपा नेताओं को वक्ता के तौर ओर भेजा गया था।

वार्ड क्रमांक 21 के अंतर्गत आने वाले बूथ केंद्रों के सामूहिक कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने भी सहभागिता की। संस्कार गार्डन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर भारत देश के अभिन्न अंग कश्मीर के विलय को लेकर आंदोलन खड़ा कर अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले डॉ मुखर्जी की जयंती आज हम प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हैं। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के द्वारा कश्मीर के भारत मे विलय को लेकर जो आंदोलन खड़ा किया किया गया उसे देश मे पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है। देश की एकता के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले डॉ मुखर्जी की बदौलत ही आज जम्मू कश्मीर में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के पूर्व महामंत्री हरिचरण अहिरवार ने की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह,महामंत्री सुमंत मित्तल,बूथ अध्यक्ष पप्पू त्यागी स्थानीय पार्षद राजा मियां,शहर सिंह भदौरिया सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंडलों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष पारस तारण, झारसिंह दांगी,चरण सिंह राजपूत,विधानसभा संयोजक कैलाश शर्मा, हरिबाबू भार्गव, रमेश यादव, संतोष चौरे,किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र बघेल,जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, ओम सोनी,रूपेश यादव,सचिन शर्मा,अनिल यादव,नरेंद्र पाटीदार, अशोक रावल,भूपेश शर्मा आदि के साथ भाजपा के मंडल पदाधिकारीगण एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी और मीसाबंदी एडवोकेट नेमीचंद जैन का निधन, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

गंजबासौदा, देशबन्धु। लोकतंत्र सेनानी और मीसाबंदी एडवोकेट नेमीचंद जैन का सोमवार सुबह 8 बजे निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। उनका जन्म 17 जुलाई 1941 को हुआ था। उनका अंतिम संस्कार पाराशरी स्थित विश्राम घाट पर दोपहर 3 बजे किया गया। नेमीचंद जैन वार्ड क्रमांक 22 जैन चैत्यालय के पास रहते थे। उनके परिवार में पत्नी सरला देवी जैन, चार बेटे संजय कुमार जैन, सिद्धार्थ जैन, चंद्रानंदन जैन और सौरभ जैन हैं और एक बेटी संगीता है। अंतिम विदाई के दौरान पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए उपस्थित हुए। बड़े बेटे संजय कुमार जैन ने मुखाग्नि दी।

इमरजेंसी में जेल गए: एडवोकेट नेमीचंद जैन 1951 में ये संघ के स्वयंसेवक बने। इसके बाद जनसंघ से जुड़े। साल 1973 में आप जनसंघ के जिले में सहमंत्री रहे। 1975 में इमरजेंसी लगने पर इन्हें विदिशा से लौटते वक्त बासौदा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इमरजेंसी के दौरान इन्हें भोपाल जेल में रखा गया था। उन्होंने जनसंघ के लिए प्रचार किया। उस समय वह प्रचार के लिए विदिशा जिले के अलावा उत्तरप्रदेश में भी कई ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में प्रचार किया।

सेवा सप्ताह: नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

सिरोंज, देशबन्धु। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सेवा सप्ताह अंतर्गत तहसील रोड स्थित संस्कार गार्डन में नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा कैंप का आयोजन किया। जिसमें भोपाल के एल एन मेकिकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल के डॉक्टर और स्टाफ द्वारा महिला, पुरुष, बच्चे एवं वृद्धजनों को बीमारी से संबंधित चेकअप कर परामर्श दिया साथ ही दवाइयां भी वितरित की गई। इस कैंप में हड्डी रोग विशेषज्ञ, आंखों के विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ, शुगर, बीपी का आम लोगों को परामर्श देकर दवाइयां भी दी गई। भोपाल के जे के हॉस्पिटल से डॉ शांतनु , जैनिक विशेषज्ञ डॉ आर्तिक, अर्थो विशेषज्ञ डॉ अंजली, आंखों के लिए डॉ नूपुर, पीडिया डॉ राजकुमार , सर्जरी डॉ बिलाल सहित करीब 15 लोगों का स्टाफ उपस्थित रहा।

सोमवार को करीब 11 बजे से प्रारंभ हुए शिविर का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों एवं सभी डॉक्टरों के स्टाफ सहित भगवान श्रीराम के चित्र पर फूल माल अर्पण दीपक प्रचलित कर शकिया। इस अवसर संगठन के अधिकारी बजरंग दल विभाग संयोजक सचिन यादव विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता प्रमुख, राकेश सक्सेना, बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य, जिला धर्म प्रसार प्रमुख अर्जुन शाक्य, जिला प्रिंट मीडिया प्रमुख प्रदीप राठौर, जिला सहसंयोजक मनजीत तिवारी अनिल राठौर, बसंती लाल कुशवाह, रमेश जैन, अविनाश अग्रवाल, तुलसीनारायण शाक्य, अशोक साहू, रोहित यादव, नितेश गोस्वामी, भानु सेन, नरेंद्र नामदेव, दिनेश सेन, संजीव यादव, अनिल कुशवाहा, जगदीश पंथी सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित उपस्थि रहे।

10वीं और 12वीं में अव्वल विद्यार्थियों का किया सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। संस्था मॉडर्न पब्लिक हा.से. स्कूल में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर कक्षा 10वी और 12वीं के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लाने वाले छात्र/छात्राओं का पुष्प माला पहना कर व मिठाई खिलाकर प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कक्षा-10वीं की छात्रा साक्षी पवार 93.2 प्रतिशत प्रथम स्थान, प्रिया परमार 92 प्रतिशत द्वितीय स्थान, साक्षी विश्वकर्मा 91 प्रतिशत तृतीय स्थान व कक्षा-12वीं की छात्रा सृष्टि अजनोदिया 91 प्रतिशत प्रथम स्थान, श्रीम भार्गव 89 प्रतिशत द्वितीय स्थान, नीलाक्षी सारसिया 86.2 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला परिवार व अपने माता-पिता का नाम रोशन किया, शाला परिवार के मार्गदर्शक श्री शंकर लाल परमार सर ने अपने उदबोधन में सभी छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया व सभी विद्यार्थियों को मोबाइल के उपयोग और दुरुपयोग के बारे में समझाया तथा बताया कि आप अपने जीवन में उपलब्धि पाना चाहते हैं तो दृढ़ निश्चय कर पढ़ना होगा, तभी आप अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

संचालक मंडल व शाला परिवार के मार्गदर्शक शंकर लाल परमार, कुंवर लाल परमार, भीम सिंह ठाकुर एवं समिति अध्यक्ष अभिषेक परमार, प्राचार्य शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उपप्राचार्य विकास चौरसिया, बी.एल. मालवीय, रवि पाठक, राजेश बड़ोदिया, रजत धारवां, संदीप ठाकुर, अनीता परमार, निर्मला सारसिया, करिश्मा चौपड़ा, अंजली चौरसिया, सना अली, ज्योति राजपूत आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना की।

परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं: मिट्ठूपुरा सरकार

आष्टा, देशबन्धु। जरूरी नहीं की मुख पर हर समय परमात्मा का नाम आए । वह समय भी भक्ति का ही होता है जब एक इंसान दूसरे इंसान के काम आए। परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं, गोस्वामी जी ने भी लिखा है। पर हित सरिस धर्म नहीं भाई। हमेशा दूसरे का भला सोचो ,जीवन में कभी भी किसी का बुरा ना करें।भला किसी का कर ना सके तो बुरेपंथ मत जाय । अमृत फल चाखयों नहीं ,फिर विष फल काहे खाय। ऊक्त बहुत ही प्रेरक विचार संत श्री मिट्ठुपुरा सरकार द्वारा भील खेड़ी बरामद में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस व्यास पीठ से व्यक्त किये। कथा में आगे पूज्य गुरुदेव द्वारा श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए बताया कि पृथ्वी पर जब अनाचार अत्याचार और पाप हद से ज्यादा बढ़ जाता है। तब भगवान मनुष्य रूप में पृथ्वी पर अवतार लेते हैं। और साधु संतों, भागवत भक्तों ,स्त्री और गाय की रक्षा करते हैं। जब-जब होइ धर्म के हानि। बाढ़े असुर अधम अभिमानी ।तब तब धरी प्रभु विविध शरीरा ।हरहु सदा सज्जन भव पीरा। द्वापर युग में जब महादुष्ट कंस का अत्याचार बहुत बढ़ गया ।तब पृथ्वी गाय का रूप बनाकर ब्रह्मा जी के पास गई और ब्रह्मा सभी देवताओं को लेकर छीर सागर के किनारे पहुंचे, भगवान विष्णु से प्रार्थना की ,तब भगवान विष्णु ने कहा कि तुम सब अपने-अपने धाम को जाओ। थोड़े समय बाद मे ब्रजमंडल मथुरा में आकर जन्म लूंगा । और कंस सहित सभी राक्षसों का वध करूंगा। भागवत कथा में राजेंद्र सिंह ठाकुर,राम भरोसे जाट,गणेश जाट,जसपाल ठाकुर,अके सिंह ठाकुर,घीसू लाल भगत जी,विजेंद्र सिंह,अमन बैरागी,लखन लाल शर्मा,चंद्रपाल व्यास,जीवन सिंह,प्रहलाद सिंह,अनार सिंह,मानसिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में नारी शक्तियों की उपस्थिति रही।

अकीदत के साथ निकला ताजियों का जुलूस

आष्टा, देशबन्धु। नगर में मुस्लिम समाज द्वारा परम्परागत मोहर्रम का पर्व एक दिन बाद चांद की 11 तारिख को समापन जुलूस पुराना बसस्टेण्ड अली चौक से प्रारंभ हुआ जो नगर के पुरानी सब्जी मंडी, बड़ा बाजार, सिकंदर बाजार गल चौराहा, बुधवारा रोड, अस्पताल चौराहा आदि मार्ग से होता हुआ पुराना बसस्टेंण्ड पहुचा इस बीच दो दर्जन से अधिक छोटे बडे ताजिये के साथ दुलदुल बाबा बुर्राक बैन के साथ डीजे की धुन पर या अली या हुसैन के शहादत के साथ साथ अखाड़ा चल रहा था जिसमें हैरतअंगेज करतब करने वाले करतब दिखा रहे थे। सुबह अली चौक से ताजियों का जुलूस निकला जो शाम ढलते ढलते करबला पहूंचा। नगर के जुलूस मार्गों पर पुलिस प्रत्येक चौराहे पर उपस्थित थी। एसपी दीपक कुमार शुक्ला, एसडीओपी आकाश अमलकर, टीआई गिरीश दुबे, चिन्मय मिश्रा, हरीसिंह परमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। आष्टा हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते हुए मोहर्रम का पर्व शांति व सद्भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

मोहर्रम का जुलूस में चल रहे प्रमुख जनों एवं सदर, सेकेट्र अखाड़ा उस्ताद ताजिया उस्ताद आदि कलाकारों एवं पदाधिकारियों को गांधी चौक पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पार्षद गणों ने मुस्लिम समाज के प्रमुख जनों को साफा बांध कर स्वागत किया। जुम्मापुरा काजीपुरा पीलीखदान, डौराबाद, किला, टेकरी , कसाईपुरा, लंगापुरा आदि क्षेत्र के मुस्लिम समाज के प्रमुख जनों को स्वागत किया वहीं खंडेवाल चौराहे पर विजयदश्मी उत्सव समिति द्वारा भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधी रायसिंह मेवाड़ा, पार्षद रवि शर्मा, सलीम खान, शेख आरिफ, प्रकाश छाजेड़, सुभाष नामदेव, अरशद अली सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर एक दूसरे को बधाई दी। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ देर रात करबला पहुंचा जहां ताजिये को पार्वति नदी किनारे बना कुण्ड में ठंडे किये गये, तत्पश्चात दुआ की गई वहीं दुलदुल बाबा और बुर्राक बाई पुन: इमामबाड़ें में पहुंचे।

बच्चे आगे जाकर भारत का भविष्य बनते है: पं.मोहितराम

सीहोर, देशबन्धु। ब्ल्यू बर्ड स्कूल में सोमवार को छात्र-छात्राओं के बीच संत कथा व्यास परम गौभक्त भक्त पंडित मोहितरामजी पाठक का आगमन हुआ। जिन्होंने श्री माधव महाकाल आरोग्य आश्रम सैकड़ाखेड़ी पर आगामी 10 जुलाई को आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा अमृत महोत्सव व्यास पूजन के विषय में ब्लू बर्ड स्कूल के सैकड़ो बच्चों को किस प्रकार शिक्षा से दीक्षा की ओर अग्रसर होकर हम राष्ट्रनिर्माण व्यक्तित्वनिर्माण, राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दे सकते हैं अपना वक्तव्य दिया।

गुरु दीक्षा के महत्व से परिचित कराया, उन्हें आध्यात्मिक सकारात्मक मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शिक्षा प्राप्त कर कर आप डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस बन सकते हैं, किंतु इस शिक्षा को जब दीक्षा से जोड़ दिया जाता है तो उसके अंदर उसके मन की पवित्रता आ जाती है और आत्म बल ज्ञान की प्राप्ति होती है।

इसी कार्य को ईश्वरीय सेवा समझकर करता है इसलिए हम सभी को शिक्षा के साथ-साथ सनातन, संस्कृति परंपरा संस्कार सेवा एवं गुरु से दीक्षित होकर अपने राष्ट्र, मातृभूमि व माता-पिता परिवार की सेवा जैसे पवित्र कार्य करना चाहिए क्योंकि वर्तमान के यही बच्चे आगे भारत का भविष्य बनते है। बच्चों को यह भी समझाया कि तीर चलाने में ताकत नहीं, दिशा ज़रूरी होती है और वो दिशा देता है। आगामी 10 जुलाई को श्री माधव महाकाल आश्रम पर हजारों सनातनी बच्चों को सनातनी शिक्षा-दीक्षा संस्कार गुरु मंत्र से दीक्षित किया जाएगा। आज के इस गुरुकुल शिक्षा से दीक्षा आयोजन में अशोक चौहान, शंकर लाल शर्मा, श्रीमती प्रेमलता राठौर, श्रीमती उर्मिला गुप्ता, रिटायर्ड शिक्षक शैलेंद्र चंदेल, बृजेश पारसर एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षिक उपस्थित रहे।

12 दिन तक नौलखी में रथ यात्रा महोत्सव की रही धूम, भक्तों ने लगाया 221 व्यंजनों का भोग

श्रद्धा और भक्ति की बारिश में भीगे महाप्रभु जगन्नाथ, अपने धाम हुए रवाना

गंजबासौदा, देशबन्धु। अपने भगवान को धाम के लिए विदा करते हुए मंदिर के अंदर श्रद्धा और भक्ति भाव में डूबे भक्तों की आंखें जहां बह रही थीं तो वही मंदिर के बाहर बरसते पानी में महाप्रभु अपने धाम रवाना होने के लिए रथ पर सवार हो रहे थे। गाजे बाजे के साथ विदाई की इस बेला में भक्त और भगवान प्रेम और श्रद्धा की बारिश में भीगते हुए दिखाई दिए। महाप्रभु जगन्नाथ सोमवार को भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर बरसते पानी में अपने निज धाम वेत्रवती घाट स्थित नौलखी आश्रम के लिए विदा हुए। अपने धाम के लिए रवाना होने से पहले महाप्रभु जगन्नाथ ने भक्तों के साथ छप्पन भोग की प्रसादी ग्रहण की। मांगरोद की कीर्तन मंडली के साथ नाचते गाते हुए भक्तों ने अपने महाप्रभु को निज धाम के लिए विदा किया।

मालूम हो कि रथ यात्रा महोत्सव में नगर भ्रमण के पश्चात महाप्रभु जगन्नाथ पिछले 12 दिन से स्टेशन रोड स्थित अपनी मौसी के घर नौलखी मंदिर में विराजमान थे। उनकी अगवानी के उपलक्ष्य में मंदिर में जगन्नाथ भगवान की कथा, चैतन्य महाप्रभु के चरित्र अमृत कथा, प्रतिदिन भक्तों द्वारा छप्पन भोग सहित स्थानीय और बाहर से आए कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन के माध्यम से महाप्रभु को प्रसन्न किया जा रहा था। मंदिर में महाप्रभु की सेवा में आयोजित हो रहे उत्सव के चलते भक्ति से सराबोर आनंदित भक्तों को जगन्नाथपुरी जैसा दिव्य अनुभव मिल रहा था। सुबह से लेकर देर रात तक महाप्रभु के उत्सव में शामिल होने भक्तों की भीड़ मंदिर में दिखाई देती थी। मंदिर में प्रतिदिन 56 भोग के साथ भंडारा आयोजित हो रहा था जिसमें सैकड़ों भक्त प्रसादी ग्रहण करते थे। उत्सव के दौरान अपने महाप्रभु को रोज नित नए व्यंजनों को अर्पित करने का भाव और उत्साह इतना अधिक था कि मंदिर के सीताराम संकीर्तन मंडल द्वारा आयोजित हुए 56 भोग की प्रसादी में भक्तों द्वारा 221 व्यंजनों का भोग महाप्रभु को अर्पित किया गया। अपने धाम रवाना होने से पहले सोमवार को महाप्रभु ने अपने प्रिय भोग कड़ी भात के साथ 96 व्यंजनों की प्रसादी साधु संतों भक्तों के साथ ग्रहण की। शाम करीब 4 बजे मंदिर के महंत नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने महाप्रभु की आरती उतार कर उन्हें रथ पर बैठाया। बैंड बाजे और कीर्तन मंडली के साथ मंदिर से महाप्रभु अपने धाम के लिए रवाना हुए। रास्ते में जगह-जगह भक्तों ने भगवान की आरती उतारी। नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए भगवान महाप्रभु का रथ देर शाम वेत्रवती घाट स्थित नौलखी आश्रम पहुंचा।

खेल जगत

शुभमन गिल कप्तान की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं: मदन लाल

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने टेस्ट कप्तान होने के दबाव को संभालने के लिए शुभमन गिल की जमकर तारीफ की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे गिल ने टीम को जीत दिलाई और साथ ही अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन का भी ख्याल रखा। मदन लाल ने कहा, 'भारत ने दोनों टेस्ट मैचों में दबदबा बनाया। टीम इंडिया पिछले मैच में खासकर खराब फील्डिंग के कारण हारी थी, इसके अलावा उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग ने शानदार प्रदर्शन किया। हमारी गेंदबाजी इंग्लैंड की तुलना में कहीं बेहतर थी। पिछले मैच में हमने थोड़ी शॉर्ट बॉलिंग की, जिससे इंग्लैंड को लक्ष्य हासिल करने का मौका मिला।' मदन लाल ने युवा कप्तान की तारीफ करते हुए कहा, 'शुभमन गिल की चर्चा हर जगह हो रही है। वह आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं।

अगर हमारी टीम मेरे योगदान से टेस्ट सीरीज जीतती है तो मुझे खुशी होगी: शुभमन गिल

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। कप्तान शुभमन गिल के पहली पारी में दोहरे शतक और दूसरी पारी में शतक सहित कुल 430 रन बना और आकाश दीप के मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोनों पारियों में चटकाए कुल दस विकेट की बदौलत भारत ने एजबेस्टन, बर्मिंघम में रविवार रात 336 रन की बड़ी जीत के साथ एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच टेस्ट की क्रिकेट सीरीज में एक एक की बराबरी पा लिए। चीफ कोच गौतम गंभीर व कप्तान शुभमन गिल की जसप्रीत बुमराह को आराम देकर दूसरे टेस्ट की एकादश में शामिल तेज गेंदबाज आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर व नीतिश रेड्डी सहित दूसरे टेस्ट जिन तीन बदलावों के लिए कड़ी आलोचना की जा रही उनमें से आकाश दीप व सुंदर कसौटी पर खरे उतरे और भारत की जीत में अहम योगदान किया।

पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बना मैन ऑफ द' मैच रहे शुभमन गिल ने भारत की बड़ी जीत के बाद कहा, 'गेंदबाजों के लिए एजबेस्टन टेस्ट में गेंदबाजी करना बहुत मुश्किल था। पिच पर गेंद ज्यादा जल्दी ढीली हो बहुत जल्दी अपना आकार खो रही थी। मुझे नहीं मालूम यह क्या था, मौसम या पिच कुछ भी लेकिन गेंदबाजों के लिए इस पिच पर विकेट चटकाना बहुत मुश्किल हो रहा था। बतौर टीम जब आप यह जानते हैं कि विकेट लेना मुश्किल है और रन आसानी से बन रहे हैं तो बहुत सी चीजे आपके काबू से बाहर हो जाती हैं। जहां तक मेरे खेल की बात है तो मैं कहूंगा कि मैं अपने खेल को लेकर सहज महसूस कर रहा हूं। अगर हमारी टीम मेरे योगदान से टेस्ट सीरीज जीतती है तो मुझे खुशी होगी। मैं एक बल्लेबाज के तौर पर खेलना चाहता हूं। बल्लेबाज के तौर पर सोचना चाहता हूं। पहले टेस्ट के बाद हमने जो कुछ भी किया सही किया। हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण वाकई शानदार थी। जब आप कप्तान होते हैं तो तब आपको अनुकरणीय खेल दिखाने की जरूरत होती है जिससे कि जब कोई अन्य खिलाड़ी इस स्थिति में हो आप उसका मार्गदर्शन कर सकें। आपको अपने मन की करने की बजाय खुद से पहले टीम को रखना होता है। मैं अच्छी गेंद पर आउट हो जाउ तो भले हो जाउ लेकिन मैं लंबे से लंबा खेलना चाहता हं। बेशक दूसरा टेस्ट भी पांच दिन तक चला लेकिन हमारी भारतीय टीम इतने लंबे टेस्ट मैच खेलने की आदत नहीं है।बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अच्छी बात यह रही कि हम इसमें ज्यादा समय तक बल्लेबाजी कर रहे थे न कि गेंदबाजी।

शुभमन ने कहा,' यहां तक पहली पारी में हमने लगभग एक दिन यानी 90 ओवर फील्डिंग की और हमारे लिए यह अच्छा ही रहा। अब मौजूदा टेस्ट सीरीज के बाकी आगामी टेस्ट मैचों में हम यदि निरंतर 300 अथवा 400 के करीब रन बनाते हैं तो हम हमेशा टेस्ट में बने रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने धारदार गेंदबाजी दूसरे टेस्ट में दोनों पारियों में कुल मिलाकर आपस में 17 विकेट बांटे जो अपने आप में तब एक बड़ी उपलब्धि है और उन्होंने यह कामयाबी जसप्रीत बुमराह भाई के बिना हासिल की। दूसरे टेस्ट से पहले बहुत सवाल थे कि क्या हम इसमें इंग्लैंड के 20 विकेट चटका पाएंगे? जिस तरह आकाश दीप और सिराज ने मिलकर दोनों पारियों में इंग्लैंड को आउट किया वह वाकई शानदार था और मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं।'

- हमारी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण वाकई शानदार था
- पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बना मैन ऑफ द' मैच रहे शुभमन गिल

इंग्लैंड वैसा नहीं खेल पाई, जैसा हम चाहते थे : ब्रैंडन मैकुलम

बर्मिंघम। एजबेस्टन में खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में भारत के हाथों 336 रनों से करारी हार झेलने के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया कि मेजबान टीम अपनी इच्छानुसार नहीं खेल पाई और टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला गलत साबित हुआ। रिकॉर्ड 608 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम पांचवें दिन दूसरे सत्र से में 271 रन पर सिमट गई। भारत की सीरीज बराबर करने वाली जीत में कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए, जबकि आकाश दीप ने मैच में 10 विकेट लिए। ब्रैंडन मैकुलम ने कहा, 'हम पांच दिनों तक दूसरे नंबर पर रहे। भारत ने असाधारण खेल दिखाया। शुभमन गिल ने इस पिच पर शानदार प्रदर्शन किया। हम इस पर वैसा नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे और भारत पूरी तरह से जीत का हकदार था।'

ईस्ट बंगाल व साउथ यूनाइटेड के बीच होगा डूरंड कप फुटबॉल का उद्घाटन मैच

शिरकत करने वाली टीमों चार चार टीमों के छह ग्रुप में बांटा गया

नई दिल्ली, 7 जुलाई (देशबन्धु)। ईस्ट बंगाल और साउथ युनाइटेड के बीच ग्रुप ए के कोलकाता में 23 जुलाई को खेले जाने वाले उदघाटन मैच से देश के सबसे पुराने 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की का आगाज होगा। दोनों टीमों के बीच यह उद्घाटन मैच कोलकाता के प्रतिष्ठित विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में खेला जाएगा। डूरंड कप एक महीने तक चलेगा और इसमें कुल 43 मैच होंगे और फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

टूर्नामेंट के ग्रुप और कार्यक्रम की घोषणा सोमवार को की गई, जिससे एक बार फिर भारतीय फुटबॉल की परंपरा और जुनून को देखने का अवसर मिलेगा। इसमें शिरकत करने वाली टीमों चार चार टीमों के छह ग्रुप में बांटा गया है। छहों ग्रुप की विजेता और दो सर्वश्रेष्ठ उप विजेता टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी, जो 16 और 17 अगस्त को खेले जाएंगे। सेमीफाइनल 19 और 20 अगस्त को होंगे। फाइनल 23 अगस्त, शनिवार को खेला जाएगा। नॉकआउट दौर के मैचो के स्थानो की घोषणा जल्द की जाएगी।

कोलकाता में ग्रुप ए और बी के मुकाबले होंगे। ईस्ट बंगाल के शुरुआती मैच के बाद इंडियन एयर फोर्स फुटबॉल टीम और आई-लीग क्लब नामधारी एफसी क्रमश: 27 और 30 जुलाई को एसयूएफसी के खिलाफ अपना अपना पहला मैच खेलेगी। ग्रुप बी का आगाज 28 जुलाई को मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के मैच से होगा जो कि भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। इसके बाद 31 जुलाई को इसी मैदान में आईएसएल चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट और मोहम्मडन एससी के बीच बहुप्रतीक्षित मैच होगा।बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स फुटबॉल टीम 1 अगस्त को डायमंड हार्बर के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। ग्रुप सी की शुरुआत जमशेदपुर में 24 जुलाई को होगी, जहां जमशेदपुर एफसी, नेपाल की त्रिभुवन आर्मी एफटी के खिलाफ जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलेगी। इंडियन आर्मी एफटी और 1 लद्दाख एफसी क्रमश: 29 जुलाई और 2 अगस्त को अपना पहला मुकाबला खेलेंगे.। कोकराझार ग्रुप डी की मेज़बानी करेगा, जिसमें आईएसएल क्लब पंजाब एफसी, असम की करबी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी, स्थानीय बोडोलैंड एफसी और इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस एफटी (आईटीबीपी एफटी) शामिल हैं। आईटीबीपी और कार्बी आंगलोंग के बीच पहला मैच 27 जुलाई को होगा। बोडोलैंड एफसी 31 जुलाई को अपना पहला मैच खेलेगा, जबकि पंजाब एफसी 3 अगस्त को मैदान में उतरेगा।

ग्रुप ई की शुरुआत शिलॉन्ग में 26 जुलाई को होगी, जहां मेजबान शिलॉन्ग लाजोंग एफसी का सामना फॉरेन सर्विस टीम से होगा। गत विजेता नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 2 अगस्त को फॉरेन सर्विस टीम के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा शुरू करेगा। शिलॉन्ग डर्बी 29 जुलाई को लाजोंग और रंगदाजीद यूनाइटेड एफसी के बीच खेली जाएगी। ग्रुप एफ की मेज़बानी इंफाल करेगा, जहां 30 जुलाई को ट्राउ एफसी और नेरोका एफसी के बीच स्थानीय डर्बी से शुरुआत होगी। इंडियन नेवी एफटी और रियल कश्मीर एफसी 2 अगस्त को अपना अभियान शुरू करेंगे। अंतिम ग्रुप चरण मुकाबला 12 अगस्त को कोकराझार में बोडोलैंड एफसी और आईटीबीपी एफटी के बीच खेला जाएगा। आईएसएल क्लबों, प्रमुख सर्विसेज़ टीमों और क्षेत्रीय चहेते क्लबों की भागीदारी के साथ, 134वां इंडियन ऑयल डूरंड कप न सिर्फ भारतीय फुटबॉल की विरासत का जश्न मनाएगा बल्कि देश भर की प्रतिभाओं को मंच देने का अवसर भी प्रदान करेगा।

साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट में कप्तानी करते हुए वियान मुल्डर ने तिहरा शतक जड़कर रचा इतिहास

बुलावायो, 7 जुलाई (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज वियान मुल्डर ने तिहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 334 गेंदों में नाबाद 367 रन बनाए। पारी के दौरान 49 चौके और चार गगनचुंबी छक्के जड़े। केशव महाराज की अनुपस्थिति में वियान मुल्डर को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई। टेस्ट में पहली बार कप्तानी कर रहे 27 वर्षीय ऑलराउंडर ने पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की और नाबाद 264 रन बनाए। इसके अगले दिन जब खेल शुरू हुआ तो उन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लंच तक नाबाद 367 रन बना लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए किसी बल्लेबाज की ओर से यह स्कोर अब तक का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 24 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुल्डर ने अपनी पहली कप्तानी पारी में बहुत धैर्य दिखाया। उन्होंने कमजोर गेंदों को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। उन्होंने डेविड बेडिंगम के साथ 184 रन और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस के साथ चौथे विकेट के लिए केवल 185 गेंदों पर 217 रन की शानदार साझेदारी की। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए घर से बाहर चौथे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

मुल्डर ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन 264 रन बनाए, जो किसी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट के पहले दिन बनाया गया सर्वाधिक स्कोर और विश्व में ओपनिंग डे पर दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। दूसरे दिन उन्होंने तेजी से बल्लेबाजी जारी रखी और 297 गेंदों में तिहरा शतक (300 रन) पूरा किया, जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे तेज तिहरा शतक है। इस उपलब्धि के साथ वे हाशिम अमला के बाद यह मुकाम हासिल करने वाले दूसरे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने।

आईसीसी ने जून महीने में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए मार्करम, रबाडा और निसांका के नाम की घोषणा की

दुबई, 7 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्करम, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और श्रीलंका क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे पथुम निसांका को जून 2025 के लिए पुरुष कैटेगरी में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार देने की घोषणा की। आईसीसी ने पुरुष के अलावा महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए नामांकित खिलाड़ियों की भी घोषणा की।

मार्कराम ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। गेंद से स्टीव स्मिथ का महत्वपूर्ण विकेट लेने के बाद, मार्कराम ने शानदार 136 रन बनाकर प्रोटियाज को 282 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। वियान मुल्डर और चोटिल कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ उनकी साझेदारी ने दक्षिण

अफ्रीका को 27 वर्षों में पहली बार आईसीसी पुरुष ट्रॉफी जीतने में मदद की।

रबाडा ने अपनी आक्रामक शैली का जोरदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफरीका के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया। उन्होंने पहली पारी में 49 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने इस प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख टेस्ट विकेट लेने वालों की सूची में पूर्व गेंदबाज एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा ने मैच में कुल नौ विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को ज्यादा खुलकर शॉट्स खेलने का मौका नहीं दिया। जिससे ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर करने में सफल नहीं हो पाई। पहली पारी में कम स्कोर के बाद दक्षिण अफ्रीका को मुकाबले में बनाए रखने में रबाडा की गेंदबाजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान पथुम निसांका श्रीलंका के स्टार बल्लेबाज थे। उन्होंने पहले टेस्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 187 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मैच ड्रॉ कराने में मदद की और दूसरे टेस्ट में 158 रन बनाकर श्रीलंका को पारी और 78 रन से जीत दिलाई। निसांका ने बेहतरीन निरंतरता और धैर्य दिखाते हुए सीरीज का अंत शीर्ष स्कोरर के रूप में किया। आईसीसी की ओर से महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स और दो वेस्टइंडीज मूल की खिलाड़ी, हेले मैथ्यूज और अफी फ्लेचर शामिल हैं। ब्रिट्स के लिए यह महीना सभी प्रारूपों में प्रभावशाली रहा।

इंग्लैंड की 'बैजबॉल' शैली से दुखी माइकल वॉन, टीम को दे डाली नसीहत

बर्मिंघम, 7 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड को एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट 336 रन से गंवाना पड़ा, जिससे पूर्व कप्तान माइकल वॉन दुखी हैं। उनका मानना है कि हेडिंग्ले में 'बैजबॉल विद ब्रेन' के बाद मेजबान टीम फिर से अपने पुराने ढर्रे पर आ गई है। माइकल वॉन ने सोमवार को 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, 'ईमानदारी से कहें, तो इस हफ्ते इंग्लैंड की टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। तीसरे दिन चार घंटे के खेल को छोड़कर, जिसमें हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने शानदार बल्लेबाजी की, भारत ने इंग्लैंड पर पूरी तरह से दबदबा बनाया। यह ऐसा प्रदर्शन था, जिसने मुझे बहुत चिंतित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे डर है कि इंग्लैंड ने पहले मैच को टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके के पूर्ण प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने पहले टेस्ट के दौरान जीत में शानदार स्किल दिखाई, लेकिन इसमें काफी हद तक भाग्य भी शामिल था। इंग्लैंड की टीम यहां (एजबेस्टन) आई और सोचा कि उन्हें सबकुछ उसी तरह करना चाहिए, लेकिन यह उल्टा पड़ गया।' पूर्व कप्तान ने कहा, 'आपको अपनी पूरी रणनीति एक हफ्ते के प्रदर्शन पर आधारित नहीं करनी चाहिए, खासकर तब जब किस्मत ने भी साथ दिया हो।

माही के घर के बाहर पहुंचे फैंस, केक काटकर मनाया जन्मदिन

रांची, 7 जुलाई (एजेंसियां)। महेंद्र सिंह धोनी सोमवार को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अपने इस हीरो को बधाई देने फैंस रांची स्थित माही के घर के बाहर एकत्रित हुए, जहां उन्होंने केक काटकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान का जन्मदिन मनाया। सानिया सिंह एक युवा क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, 'मैं क्रिकेट एकेडमी में खेलती हूं। मेरे कोच धोनी सर के बड़े फैन हैं। मैं भी उनकी बड़ी फैन हूं। सभी प्रोफेशनल क्रिकेटर्स के लिए धोनी प्रेरणा हैं। मैं चाहती हूं कि उनके जैसी ही खिलाड़ी बनूं।' धोनी के एक अन्य फैन ऋषभ राज ने कहा, 'हम धोनी का जन्मदिन मनाने के लिए उनके घर के बाहर खड़े हैं। यहां बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक मौजूद हैं। हम चाहते हैं कि माही ऐसे ही फिट बने रहें और पूरे देश को प्रेरित करते रहें।' धोनी के जन्मदिन पर सुबोध नामक एक फैन ने कहा, 'हमने यहां केक कटिंग की और लोगों के बीच इसे बांटा।

हमने यहां धोनी के कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचवाई हैं।'

ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका देना डीडीसीए का उद्देश्य : रोहन जेटली

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग-2025 के लिए सोमवार को महिला खिलाड़ियों की नीलामी हुई। इस मौके पर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा है कि संघ का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका देना है। रोहन जेटली ने कहा, 'डीपीएल को लेकर हमें शानदार रिस्पॉन्स मिला है। हमने पुरुष लीग में दो टीमें जोड़ी हैं। विमेंस टीम में पूल को बढ़ाया गया है, ताकि ज्यादा खिलाड़ियों को ऑक्शन में मौका मिल सके।'

उन्होंने आगे कहा, 'पहले हम सालभर में करीब 1,000 मैच

करवाते थे, लेकिन अब इसकी संख्या 1,800 हो चुकी है। हमारे पास अंडर-16, अंडर-19, ओपन लीग, प्रोफेशनल टी20 लीग, डीपीएल जैसे आयोजन हैं। इसके अलावा महिलाओं के लिए भी क्लब लेवल क्रिकेट की शुरुआत की गई है। हम खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहते हैं।' इस मौके पर डीडीसीए के डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा ने कहा, 'जब रोहन जेटली डीडीसीए के अध्यक्ष बने, तो वह एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना चाहते थे, जहां दिल्ली के बच्चों का टैलेंट लोगों को दिखे। हमने पिछले साल डीपीएल की शुरुआत की, जो बेहद सफल रहा। मैच के दौरान 20-22 हजार फैंस आए। खिलाड़ियों को शानदार प्लेटफॉर्म मिला। इसी प्लेटफॉर्म से निकलकर कुछ खिलाड़ी आईपीएल खेले। हम चाहते हैं कि इस बार और ऊपर जाएं और कम से कम 10 खिलाड़ी भारतीय टीम का दरवाजा खटखटाएं।'

सौरव गांगुली : एक जौहरी, जिसने बदल दी भारतीय क्रिकेट की तस्वीर

गांगुली एक आक्रामक कप्तान थे। उनकी कप्तानी में भारत ने बेखौफ अंदाज में खेलने की संस्कृति अपनाई

नई दिल्ली, 7 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के इतिहास में अब तक कई कप्तान आए हैं। सभी ने अपने-अपने कार्यकाल में टीम के लिए बेहतर करने की कोशिश की। लेकिन, जिस कप्तान ने अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट की तस्वीर बदल दी और टीम को दुनिया की शीर्ष और मजबूत टीमों में शुमार कराया उसका नाम सौरव गांगुली है। सौरव गांगुली को 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। यह वह दौर था जब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। प्रदर्शन के आधार पर विश्व विजेता टीम होने के बाद भी कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। लेकिन, गांगुली ने अपनी नेतृत्व क्षमता, खिलाड़ियों की परख और उनसे प्रदर्शन निकलवाने की काबिलियत के दम पर भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल दिया। कप्तान बनने के बाद सौरव गांगुली ने उन खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर ही बदल दी। इन खिलाड़ियों में युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, एम. एस. धोनी, और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम प्रमुख हैं। ये सभी खिलाड़ी आज भारतीय क्रिकेट के श्रेष्ठतम खिलाड़ियों में शुमार होते हैं। इसके पीछे गांगुली की पारखी नजर थी।

गांगुली को 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी

गांगुली एक आक्रामक कप्तान थे। उनकी कप्तानी में भारत ने बेखौफ अंदाज में खेलने की संस्कृति अपनाई। इस वजह से टीम को टेस्ट और वनडे दोनों ही फॉर्मेट में बड़ी सफलता मिली। 2000 में फिक्सिंग के आरोपों का सामना कर रही भारतीय टीम इसी साल गांगुली की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेली, 2002 में संयुक्त रूप से श्रीलंका के साथ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की विजेता रही, और 2003 में वनडे विश्व कप का फाइनल खेला। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेश में जीतना सीखा। नेटवेस्ट ट्रॉफी (2002) इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराया। भारत ने टेस्ट में विदेश में अपना प्रभाव जमाना और जीतना गांगुली के दौर में ही सीखा। गांगुली 2005 तक कप्तान रहे। 5 साल के अपने कार्यकाल में फिक्सिंग के आरोपों का सामना करने वाली टीम को उन्होंने दुनिया की मजबूत क्रिकेट टीम बनाया।

गांगुली ने धोनी को दिनेश कार्तिक पर प्राथमिकता दी थी। धोनी न सिर्फ भारत के सर्वश्रेष्ठ और सफलतम कप्तान बने बल्कि दुनिया के सफलतम विकेटकीपर बल्लेबाज भी बने। धोनी ने 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप अपनी कप्तानी में जीता। इसमें अहम भूमिका उन खिलाड़ियों की रही, जिनके करियर की उड़ान गांगुली की कप्तानी में शुरू हुई थी। युवराज, सहवाग, हरभजन और गंभीर इन सभी का दोनों विश्व कप जीतने में अहम योगदान रहा था। गांगुली जब बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तब विराट की जगह रोहित शर्मा को कप्तान बनाने का उन्होंने निर्णय लिया। इसका परिणाम हमें टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब के रूप में मिला।

सार संक्षेप

जमशेदपुर में 'डूरंड कप ट्रॉफी' का अनावरण, राज्यपाल ने बताया झारखंड के लिए गर्व का क्षण

जमशेदपुर। 134वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 23 जुलाई से हो रही है, जिसकी ट्रॉफी का अनावरण सोमवार को एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में किया गया। इस मौके पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने डूरंड कप जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को झारखंड के लिए गर्व का क्षण बताया है। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में 24 टीम भाग ले रही हैं। जमशेदपुर के जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में छह मुकाबले खेले जाने हैं। सोमवार को एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में ट्रॉफी टूर कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष गंगवार और शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में फुटबॉल फैंस उपस्थित थे। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा, 'इस मौके पर न सिर्फ जमशेदपुर, बल्कि पूरा झारखंड गौरवान्वित महसूस कर रहा है। एशिया के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट में शामिल डूरंड कप की चमचमाती ट्रॉफी का अनावरण इस बात का प्रतीक है कि झारखंड की खेल संस्कृति निरंतर नई ऊचाइयों को छू रही है।'

अब महाराष्ट्र क्रिकेट टीम के लिए खेलेंगे पृथ्वी शॉ, हो गया आधिकारिक ऐलान

पुणे। क्रिकेटर पृथ्वी शॉ लंबे वक्त से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सके हैं। अब उन्होंने घरेलू स्तर पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को अलविदा कहते हुए आगामी सत्र से महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के लिए खेलने का फैसला किया है। अपने फैसले के बारे में पृथ्वी शॉ ने कहा, 'करियर के इस मोड़ पर, मैंने एक क्रिकेटर के रूप में अपनी ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए महाराष्ट्र टीम की ओर से खेलने का फैसला किया है। मैं एक बार फिर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से अब तक मिले अवसरों और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।' उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन पिछले कुछ वर्षों से पूरे राज्य में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की खास कोशिशें कर रहा है। महाराष्ट्र प्रीमियर लीग, महिला एमपीएल, कॉर्पोरेट शील्ड, डीबी देवधर ट्रॉफी जैसे इवेंट्स इसके प्रमाण हैं। इसलिए, मेरा मानना है कि इस तरह के माहौल में खेलना मेरे करियर को एक नया मोड़ देगा।'

एमएलसी 2025: एमआई न्यूयॉर्क की सीजन में सातवीं हार

नई दिल्ली। वाशिंगटन फ्रीडम ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 29वें मैच को अपने नाम किया। इस टीम ने फ्लोरिडा में एमआई के खिलाफ खेले गए मुकाबले को छह विकेट से जीता। गीली आउटफील्ड के चलते यह मुकाबला 18-18 ओवरों का था। पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी वाशिंगटन ने इस सीजन 10 में से आठ मैच अपने नाम किए हैं। टीम प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पायदान पर है, जबकि 10 में से सात मुकाबले गंवा चुकी एमआई न्यूयॉर्क की टीम चौथे स्थान पर प्लेऑफ की टिकट हासिल करने की जंग लड़ रही है।

लुधियाना में उद्योगपतियों से बोले मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश की गतिशीलता-शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं निवेशक

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लुधियाना स्थित वर्धमान औद्योगिक परिसर में पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से भेंट की और उन्हें मध्यप्रदेश की समावेशी, उदार और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न केवल उद्योग लगाने और निवेश बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि यदि किसी सेक्टर में संभावना दिखती है, तो वहां आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गारमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर की हुकुमचंद मिल को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य हो रहा है और मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सौ करोड़ रु. से अधिक के सेटलमेंट क्लियर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और श्रमिकों के साथ सरकार की प्रतिबद्धता हर स्तर पर बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर की जेसी मिल और उज्जैन की हीरा मिल के मामले में भी राज्य सरकार ने सहृदयता से निर्णय किये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के हित में निर्णय लेने के लिए कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में आकर संभावनाओं को देखें और राज्य की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि राज्य में टेक्सटॉइल, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील प्रोसेसिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और आईटी जैसे सेक्टरों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से यह भी कहा कि मध्यप्रदेश केवल निवेश के लिए नहीं, बल्कि एक जनकल्याणकारी राज्य के रूप में भी तेजी से पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि गरीब तबके के लिए एयर एंबुलेंस सेवा और राहगीर सेवा योजना जैसी अभिनव योजना क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं की उद्योगपतियों ने सराहना करते हुए कहा कि इस स्तर की सोच और संवेदनशीलता शायद ही किसी अन्य राज्य में दिखती हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वर्धमान ग्रुप के एमडी श्री नीरज जैन, राल्सन इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन श्री संजीव पहवा, कंगारू इंडस्ट्रीज के एमडी श्री अंबरीश जैन, टीके स्टील रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री लोकेश जैन, रजनीश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री राहुल आहूजा, फार्मपार्ट्स कंपनी के उपाध्यक्ष श्री जे.एस. भोगल, सीआईसीयू के अध्यक्ष श्री उपकार सिंह आहूजा, कमल (सरजवन होजरी) के प्रतिनिधि श्री सुदर्शन जैन और श्री अरुण जैन सहित विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों ने मुलाकात की।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में बिजली दरें प्रतिस्पर्धी हैं और नियम संबंधी प्रक्रियाओं को सरल और निवेशक-अनुकूल बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में सोलर और पॉवर सेक्टर में भी बड़े प्रोजेक्ट आ रहे हैं। केंद्र सरकार के स्तर पर कोई पर्यावरणीय क्लियरेंस लंबित है, तो मध्यप्रदेश सरकार अपने स्तर पर उसे शीघ्र दिलाने का भी प्रयास करेगी। उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नीति स्पष्टता, निर्णय क्षमता और कार्य के प्रति तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि देश के सबसे भरोसेमंद और निवेश के योग्य राज्यों में मध्यप्रदेश शामिल हो गया है।

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 11 जुलाई को इंदौर में

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में रीयल एस्टेट की गतिविधियों के विस्तार के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। नेक्स्ट होराइजन : बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ टुमारो थीम पर आधारित यह कॉन्क्लेव राज्य के शहरी विकास और निवेश के लिये नए क्षितिज खोलने का माध्यम बनेगा। उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 के अंतर्गत इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की नगरीय अधोसंरचना को भविष्योन्मुखी बनाना, सतत विकास को गति देना और व्यापक निवेश आकर्षित करना है।

मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिये यहां से आसानी से देश भर से लॉजिस्टिक संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में तेज गति से होता शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। राज्य में सस्ती भूमि और श्रम, सरल प्रशासनिक प्रक्रियाएं हैं और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। मध्यप्रदेश में केन्द सरकार की प्रधानमंत्री गति-शक्ति, अमृत 2.0 और स्मार्ट-सिटी जैसी योजनाओं से प्रदेश में समावेशी विकास हो रहा है।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश तिथि बढ़ी

भोपाल, देशबन्धु। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है।

विद्यार्थी 7 से 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन, 21 को होगा सीट आवंटन

जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी।

विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने श्रीमती पटवा के जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और आशीर्वाद प्राप्त किया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की धर्मपत्नी श्रीमती फूल कुंवर पटवा के 95वें जन्म दिवस पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक सुरेंद्र पटवा के 74 बंगला स्थित निवास पहुंचकर श्रीमती फूल कुंवर जी पटवा को पुष्पगुच्छ और शाल-श्रीफल भेंट किया तथा श्रीमती पटवा के स्वस्थ-सुखी जीवन और दीर्घायु होने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर आयोजित सुंदरकांड पाठ के लिए दीप प्रज्जवलित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विधायक सुरेंद्र पटवा के निवास पहुंचने पर पटवा परिवार द्वारा डॉ. यादव का तिलक कर स्वागत-अभिवादन किया गया।

भोपाल में सोमवार को राजीव कुमार टंडन (आईपीएस) ने मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया।

अशोकनगर में कांग्रेस का प्रदर्शन आज, पटवारी बोले-होटल नहीं मिले तो सड़कों पर रुकेंगे

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज हुई एफआईआर को लेकर कल मंगलवार 8 जुलाई को कांग्रेस का अशोकनगर में जेल भरो आंदोलन होगा। आंदोलन के एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मामले में कार्रवाई नहीं हुई मुझ पर एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस नेताओं को ठहरने के लिए होटल नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जाएंगे भले ही हमको वहां सड़कों पर रुकना पड़े। पटवारी ने कहा कि अशोकनगर की सड़कों पर कांग्रेस रुकेगी। एसटी-एससी और ओबीसी पर अत्याचार होगा वहां कांग्रेस होगी, जहां प्रशासनिक अराजकता होगा, वहां वहां कांग्रेस भी पहुंचेगी। जहां सरकार का ध्यान आकर्षित करना होगा, कांग्रेस अपना धर्म निभाएगी। अशोकनगर में पीड़ित को न्याय दिलाने की बजाय मेरे खिलाफ स्रङ्क कर दी। एफआईआर एक नहीं, 100 कर दें, इससे पहले भी कई की हैं। मामले में पुलिस अपना धर्म नहीं निभा रही है, पुलिस की इस हरकत के खिलाफ हम अशोकनगर जा रहे हैं। सड़क पर, कार्यकर्ताओं के घर पर रुकेंगे, जहां वो रोकेंगे हम रहेंगे। ये गिरफ्तारी नहीं, संदेश है, एक कदम पीछे नहीं हटेंगे। जब जब आप अत्याचार करोगे, हम लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेंगे। नेता प्रतिपक्ष उनमंग सिंघार ने कहा कि 8 जुलाई को अशोकनगर में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता स्वेच्छा से गिरफ्तारी देंगे। कांग्रेस पार्टी अपने हर कार्यकर्ता से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम जनहित के मुद्दों से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मंत्री कुशवाहा दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक में हुए शामिल

भोपाल, देशबन्धु। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 96वीं आमसभा बैठक में सम्मिलित हुए। भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम एम.ए.एस.सी. कॉम्पलेक्स के सभागार में आमसभा की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश को उद्यानिकी राज्य में विकसित करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है। मध्यप्रदेश का मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुये भारत कृषि अनुसंधान परिषद का प्रदेश में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाये। इससे प्रदेश के कृषकों को मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियां सुलभ एवं उचित दाम पर उपलब्ध हो सकेंगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसाला उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा।

अमरकांत सा व्यंग्यकार हिन्दी कहानी में कोई और नहीं : संजीव कुमार

सतना, देशबन्धु। प्रेमचंद की परंपरा के अनूठे कथाकार अमरकांत का जन्मशती समारोह मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन, मुख्यालय तथा सतना जिला इकाई के तत्वावधान में शनिवार, 5 जुलाई 2025 को विटस कॉलेज सभागार में सम्पन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि थे दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध आलोचक संजीव कुमार और अध्यक्ष थे ख्यातिलब्ध कथाकार महेश कटारे। सम्मेलन के राज्य अध्यक्ष पलाश सुरजन एवं साहित्य मंत्री डॉ श्रद्धा श्रीवास्तव भी इस समारोह में शामिल हुए।

समारोह का आरम्भ आकार रंगमंच के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत 'रंग गायन' से हुआ जिसमें हिन्दी, ब्रज और बघेली के सुंदर गीत प्रस्तुत किये गए। अगली प्रस्तुति हुई आकार रंगमंच द्वारा ही प्रस्तुत, अमरकांत की कहानी 'एक थी गौरा' की नाट्य प्रस्तुति। कलाकारों के सहज अभिनय ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति के बाद शुरू हुआ मुख्य विमर्श जो परिचर्चा के रूप में था। विषय था 'अमरकांत सौ साल बाद : समाज और सच की टकराहट'। परिचर्चा में सहभागिता निभाई श्री प्रहलाद अग्रवाल, डॉ सत्येन्द्र शर्मा, श्री राजीव कुमार शुक्ल, सुषमा मुनीन्द्र, सपना सिंह और डॉ दिव्या जैन धवन ने, परिचर्चा का सफल संचालन किया डॉ श्रद्धा श्रीवास्तव ने।

समारोह के दूसरे हिस्से में मुख्य वक्ता संजीव कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि अमरकांत की लगभग सौ कहानियां मैंने पढ़ी, उनमें उम्दा से अति साधारण चीजें ज्यादा मिलती हैं। अमरकांत दूसरों से भिन्न हैं। डिप्टी कलेक्टरी, मूस, घुड़सवार, दोपहर का भोजन उनकी ऐसी रचनाएं हैं जिन्हें कहानी के विकास के 100 साल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा, कि दोपहर का भोजन नई कहानी के नएपन को बयां करती है। दूसरी ओर अमरकांत को पशु संसार से प्रेरणाएं मिलती हैं। उनकी कहानियों के पात्रों की उपमाओं में तमाम जानवर शामिल रहते हैं। उन्हें शब्दों को पिरोना बहुत अच्छे से आता था। सहज भाषा मे ही भावों का चमत्कार सा करते थे वे। ऐसा व्यंग्यकार हिन्दी कहानी में कोई और नहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कथाकार महेश कटारे ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन ने यह जो अवसर प्रदान किया है, वह मूल्यवान है। मैं कहानीकार बना, उसमें हिन्दी साहित्य सम्मेलन का बहुत बड़ा हाथ है। उन्होंने कहा कि उन्हें मायाराम सुरजन जी के साथ तीन शिविरों में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उन्हीं में से एक शिविर में पहली बार अमरकांत जी देखा। उन्होंने अमरकांत जी की 'हत्यारे' कहानी पर चर्चा की और कहा कि आज भी हम हत्यारे समय में जी रहे हैं। अमरकांत की प्रासंगिकता आज भी बरकरार है।

कार्यक्रम के अंत में पलाश सुरजन द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गए। सक्रिय सहभागिता करने वाले इकाई के युवाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए।

इस कार्यक्रम का संचालन वन्दना अवस्थी दुबे, शुभम बारी और अमित शुक्ल ने किया। दर्शक दीर्घा में छोटेलाल पांडे, आनंद मुखर्जी, प्रदीप अवस्थी, संतोष कुमार खरे, मंजरी सिंह, डॉ विजयकांत गांधी, संध्या गांधी, हरीश धवन, उमेश दुबे, निर्मला सिंह, श्रीश पांडे, सुधाकर जैन, आदि गणमान्य सुधिजन उपस्थित रहे। समारोह में शुभम बारी, अमित शुक्ल, मयंक अग्निहोत्री, अनामिका सिंह, आकार कुशवाहा, पूजा विश्वकर्मा, रूपाली, सागर सेन, अनुराग श्रीवास्तव, गीता श्रीवास्तव, अंकित, कृष्णा और विकमेंद्र सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष

15 हजार करोड़ से अधिक.... अनाज के उत्पादन में पंजाब बड़ा और मध्यप्रदेश छोटा भाई है। अब दोनों भाई मिलकर देश और मध्यप्रदेश का विकास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत बदलते दौर में सिरमौर बन रहा है। उद्योगों से कई परिवारों का उदर-पोषण होता है और गरीबों के जीवन में आमदनी का उजाला आता है। यह एक पवित्र कार्य है। उद्योगपति अपने परिवार का पोषण करते हुए दूसरों का भी घर रौशन करते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब अमर शहीद भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान देकर देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोग यहां भी काम करते रहें और अपने कारोबार का विस्तार करते हुए एक-दो फैक्ट्री मध्यप्रदेश में भी लगाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों को दुनिया के सामने रखा। हमने उद्योगपतियों को कई सौगातें दी हैं। टेक्सटाईल्स सेक्टर के इंडस्ट्रियल वर्कर्स की सैलरी में मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपए की अतिरिक्त मदद देगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्कूली बच्चों को साइकिलें बांटी जा रही हैं। साइकिलें मुख्यतः पंजाब में ही बनती हैं। यही साइकल मध्यप्रदेश में भी बन सकती हैं। उद्योगपति मध्यप्रदेश में साइकल बनाने की फैक्ट्री लगाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में सैकड़ों करोड़ रुपये के सेटलमेंट क्लियर किये हैं। यह निर्णय प्रदेश सरकार की श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यदि किसी नीति में निवेशकों को सुविधा देने के लिए संशोधन की आवश्यकता होगी तो सरकार कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लुधियाना प्रवास के दौरान पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक कर उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश समर्थक नीतियों से अवगत कराया।

उद्योगपतियों को प्रदेश की.... नीतियां फरवरी में लागू की हैं। राज्यों में हमारी जीएसडीपी ग्रोथ सबसे अधिक रही है। निवेशकों को इंसेंटिव प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में कई राष्ट्रीय संस्थान हैं। प्लांट मशीनरी पर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन असिस्टेंस 40 प्रतिशत तक है। मध्यप्रदेश सरकार हरित औद्योगिकरण को बढ़ावा दे रही है। वर्कर्स के लिए हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश टाइगर, चीता और घड़ियाल के लिए भी जाना जाता है। भारत के 7 प्रतिशत वन मध्यप्रदेश में है।

मध्यप्रदेश है ग्लोबल मार्केट के.... स्टेट है। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लुधियाना पहुँचने पर उद्योगपतियों ने जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंटरैक्टिव सत्र का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया और अनेक उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा की।

बिहार मतदाता सूची मामले.... है, लेकिन फिलहाल अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाओं की प्रतियां चुनाव आयोग और अन्य पक्षों को सौंपने का निर्देश दिया। अब सबकी निगाहें गुरुवार को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। फिलहाल, एसआईआर के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इनमें आरजेडी सांसद मनोज झा, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, पीयूसीएल, योगेंद्र यादव और लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा शामिल हैं।

मतदाताओं को न्याय दिलाने.... महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य पूरी तरह से असंवैधानिक है और इसके खिलाफ कांग्रेस सहित नौ विपक्षी दलों ने एक साथ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

2 गुजराती 8 करोड़ बिहारियों.... मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छिनने का प्रयास कर रहे है। इन दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख़्त नफ़रत है। जागो और आवाज़ उठाओ! लोकतंत्र और संविधान बचाओ!!

प्रदर्शन जर्जर सड़क पर ग्रामीणों का अनोखा विरोध

पानी भरे गड्ढों में बैठकर किया कीर्तन

छतरपुर, देशबन्धु। *चुनाव आते हैं वादों की झड़ी लग जाती है। ऐतवार करें तो ऐसा लगता है कि जो वादे किए जा रहे हैं वे पूरे हो जाएं तो मुसीबत ही टल जाए लेकिन चुनाव जाते ही वादे भी हवा से हो जाते हैं। ऐसी ही वादाखिलाफी की मुसीबत खजुराहो से सटे कुछ गांव के लोग कई वर्षों से झेल रहे हैं। सड़क ऐसी की जिस पर जानलेवा गड्ढों का राज है। वाहनों का आवागमन तो दूर पैदल गुजरना भी खतरे से खाली नहीं है। मुसीबतजदा ग्रामीण कई बार कई तरह से आवेदन-निवेदन कर चुके लेकिन उनकी जिन्दगी गड्ढों से बाहर नहीं निकल पाई। तब ऐसा रास्ता अपनाया, जो व्यवस्था के कानों तक उनकी आवाज पहुंचा सके।*

खजुराहो से सटे ग्राम खर्रोही, उदयपुरा और धनुपुरा को जोड़ने वाली सड़क की जर्जर स्थिति ने ग्रामीणों के लिए आवागमन को दुष्कर बना दिया है। बारिश के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है और बारिश में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उक्त समस्या को उजागर करने के लिए ग्रामीणों ने पानी भरे गड्ढों में बैठकर कीर्तन किया और इस अनोखे प्रदर्शन के माध्यम से मरम्मत की मांग की गई। स्थानीय निवासी प्रवीण जैन ने बताया कि सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि आवागमन लगभग असंभव हो गया है, खासकर बारिश के मौसम में। ग्रामीणों ने गड्ढों में बैठकर और वीडियो बनाकर स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की।

उनका कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि सड़क निर्माण के वादे करते हैं, लेकिन बाद में कोई कार्रवाई नहीं होती। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो वे और बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

नगरीय निकायों में पार्षद के उप निर्वाचन के लिए हुआ 69.68 प्रतिशत मतदान

भोपाल, देशबन्धु। आठ नगरीय निकायों में आज एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन के लिये मतदान संपन्न हुआ। शाम 5 बजे तक प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 69.68 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 73.01 प्रतिशत पुरूष और 66.36 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि भोपाल जिले के नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में 65.8, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 57.1, इंदौर जिले के नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 77.2 और गौतमपुरा के वार्ड 15 में 85.9, मंडला जिले के बिछिया के वार्ड 13 में 80.4, शहडोल जिले के खांड के वार्ड 8 में 63.5, छिंदवाड़ा जिले के न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 82.6 और खरगोन जिले के नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 68.1 प्रतिशत मतदान हुआ। पन्ना जिले के ककरहटी के वार्ड 13 में निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
(अल्पसंख्यक संस्थान) ऑन लाईन प्रक्रिया से युक्त
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
UG COURSE
B.A., BCA, BBA, B.P.E.S., B.Sc., B.Lib
B.Com (Economics/ Computer/Hon's)
PG COURSE
M.A : Hindi, English. Maths, Economics History, Political Science, Sociology & Social Work
M.Sc : Zoology, Botany, Chemistry, Physics, Computer Science, Microbiology & Biotechnology
M.Com: Accounts & Management
B.Ed.: Bachelor of Education
(Online Counselling)
Direct Admission
DIPLOMA COURSE
P.G.D.Y.S : PG Diploma In Yogic Science
P.G.D.C.A. : PG Diploma In Computer Appcation
D.El.Ed. : Diploma in Elementary Education
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com
Mob. 9827208070, 9425346230
9893194695, 9981291288, 7828186626
डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल

माँ शांतादेवी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट
MBA प्रवेश प्रारंभ छात्रवृति सुविधा उपलब्ध*
माँ शांतादेवी कॉलेज ऑफ फार्मेसी
D फार्मा
DIPLOMA IN PHARMACY (2 YEAR)
(12th BIO/MATH'S) For Year 2025-26
पता : इटारसी रोड, बैतूल मो. 9425003213, 7000863213
प्रवेश प्रारंभ

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।